दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी सम्पादकः अमृतपाल सिंह DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 वर्ष 31 अंक 84 नई दिल्ली शुक्रवार 27 मार्च, 2026 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठः 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

गोलीबारी में टीएमसी वर्कर की मौत

कोलकाता, 26 मार्च (निस)

कोलकाता में एक पार्टी के दौरान हुई हिंसक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। कोलकाता के वार्ड नंबर 101 में दो गुटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गोलाबारी शुरू हो गई। इस घटना में 36 वर्षीय राहुल दे की मौत हो गई, जबकि जीत मुखर्जी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका इलाज जारी है।

बंगाल में रामनवमी की धूम

कोलकाता, 26 मार्च (निस)

विधानसभा चुनाव के बीच पश्चिम बंगाल के आसनसोल में रामनवमी की तैयारियां चल रही हैं। रामनवमी 27 मार्च को है, लेकिन यहां 5 दिन तक कार्यक्रम होने है। बीजेपी का प्लान है कि इस दौरान हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा जोर-शोर से उठाया जाएं। पुलिस ने सख्त सुरक्षा प्रबंध किए हैं।

ईरान की सेना का दम निकला, हम युद्ध जीत गए-ट्रंप, ईरान का पलटवार- झुकने वाले नहीं

ईरान समझौते की भीख मांग रहा-ट्रम्प, ट्रम्प ने अपनी टीम को जल्दी युद्ध निपटाने को कहा

नई दिल्ली 26 मार्च (निस)मिडल ईस्ट जंग के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को लेकर एक बेहद आक्रामक बयान दिया है, जिससे वैश्विक राजनीति में हलचल तेज हो गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए गए अपने पोस्ट में ट्रंप ने ईरान के वार्ताकारों को अजीब और कमजोर बताया। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के प्रतिनिधि अमेरिका से समझौता करने के लिए भीख मांग रहे है, क्योंकि वे सैन्य रूप से पूरी तरह कमजोर हो चुके हैं और उनके पास वापसी का कोई मौका नहीं बचा है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ईरान सार्वजनिक रूप से ऐसा दिखा रहा है कि वह सिर्फ अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। अपने संदेश में ट्रंप

ने साफ चेतावनी दी कि ईरान को जल्द गंभीर होना होगा, वरना स्थिति ऐसी हो सकती है जहां वापसी का कोई रास्ता नहीं बचेगा। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव अपने चरम पर है। इस बयान को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यह कूटनीतिक समाधान की संभावनाओं को कमजोर कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की सख्त भाषा से दोनों देशों के बीच टकराव और बढ़ सकता है।

ट्रंप का अपनी टीम को सख्त आदेशः जल्द निपटाओ ईरान वॉर, मेरे पास और भी बहुत से काम

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने अपने सहयोगियों को साफ संदेश दिया है कि इस संघर्ष को लंबा नहीं खींचा जाएगा और अगले 4 से 6 हफ्तों में इसे खत्म करने की कोशिश की जाए। ट्रंप का कहना है कि ईरान के वार्ताकार बातचीत से इसलिए इंकार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि %उनके अपने लोग ही उन्हें मार डालेंगे%। ट्रंप ने अपनी टीम को कहा कि ईरान वॉर जल्द निपटाओं क्योंकि मेरे पास और भी बहुत से काम हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप का मानना है कि युद्ध अब अपने अंतिम चरण में है और इसे जल्द समाप्त कर वह अपने घरेलू राजनीतिक एजेंडे खासकर आगामी चुनावों और आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन इस समय एक बड़ी दुविधा में फंसा है। एक तरफ कूटनीतिक समाधान की कोशिशें चल रही हैं, तो दूसरी ओर रक्षा विभाग अधिकतम दबाव की नीति पर कायम है। यही **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सरकार के दावे के बावजूद पेट्रोल पंपों पर लग रही लंबी कतारें, निजी कंपनी ने दाम बढ़ा दिए

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस)

मध्यप्रदेश और गुजरात के बाद अब उत्तर प्रदेश और असम तक पेट्रोल-डीजल को लेकर भगदड़ देखने को मिल रही है। बीती रात प्रयागराज, गोंडा, सिद्धार्थनगर, हापुड़, देवरिया, संत कबीर नगर सहित कई जिलों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं।

हालांकि जिला प्रशासन लगातार लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और पर्याप्त स्टॉक होने की बात कह रहा है। प्रयागराज में पेट्रोल की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद अफवाह फैलने से पंपों पर भारी भीड़ जमा हो गई। इस अफवाह के बाद लोग डर के कारण अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल कराने के लिए पहुंच गए,

जिससे कई जगह अव्यवस्था की स्थिति बनी। इस तरह यूपी के देवरिया में भी सुबह से ही पेट्रोल खत्म होने की चर्चा फैल गई, जिसके बाद लोग पंपों पर उमड़ पड़े। इसके बाद देवरिया की डीएम दिव्या मित्तल ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सुचारु है और किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है।

गोंडा में गुरुवार को पेट्रोल लेने वाले की भीड़ अचानक पंपों पर बढ़ी, दो एक पेट्रोल पंपों के बंद होने के कारण अफरातफरी मच गई, जिससे पंपों पर पेट्रोल भरवाने के लिए गाड़ियों की लंबी लंबी लाइनें लग गई। यह आलम तब है जब शहर के एक पेट्रोल पंप मालिक विजय तिवारी ने बताया कि हमारे पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

इसके बाद अपर जिला अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि जिले में पर्याप्त तेल का स्टॉक मौजूद है एडीएम ने बताया कि अफवाह फैलाने वालों पर कड़ा एक्शन होगा।

मध्य प्रदेश के इंदौर में भी इसी तरह के हालात दिखाई दिए। इंदौर में पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर वायरल वीडियो और अफवाहों के बाद प्रशासन सख्त हुआ और अफवाह फैलाने वालों पर एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। वहीं देवास में पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन देखकर बैंक कर्मचारी घोड़े पर बैठकर ऑफिस पहुंच गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वहीं भोपाल में एक पेट्रोल पंप द्वारा 200 रुपये से ज्यादा पेट्रोल न देने के आदेश के बाद प्रशासन ने छापा मारकर पंप को सील किया।

दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने पीएम मोदी-भाजपा

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में शीर्ष पायदान पर कायम है। हाल ही में मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा कराए गए वैश्विक सर्वेक्षण में उन्हें 68 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग प्राप्त हुई है, जो उनके निरंतर घरेलू समर्थन और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दिखाता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह भारत के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। यह उनकी विश्वसनीयता को दिखाता है। यह भारत और पूरी दुनिया के लोगों के उनके नेतृत्व में विश्वास को दिखाता हैज.....प्रधानमंत्री मोदी, जो भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्राध्यक्ष भी हैं, सत्ता समर्थक रुख, लोकप्रियता, निर्भरता और विश्वसनीयता का प्रतीक हैं।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने भारत की वैश्विक उपलब्धियों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया की आलोचना कर कहा कि लेकिन दूसरी ओर, जब भी भारत को कोई वैश्विक पहचान मिलती है, तब कांग्रेस पार्टी को तकलीफ होती और वहां निराशावाद फैलाना शुरु कर देती है। यह ग्लोबल रेटिंग कांग्रेस के पूरे दावे को ध्वस्त करती है। कांग्रेस कहती है कि पीएम मोदी तानाशाह हैं, लेकिन वे सिर्फ चुनाव जीत रहे हैं और उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

आंध्र प्रदेश में बस एवं लॉरी के बीच भीषण टक्कर में 13 यात्री जिंदा जल गए, कई जख्मी, शवों की पहचान करना मुश्किल

मार्कपुर, 26 मार्च (निस) आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसे में कम से कम 13 लोग जिंदा जल गए। यह हादसा हैदराबाद से पामुर जा रही निजी ट्रैवल बस की टिपर लॉरी से टकराने की वजह से हुआ। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक टक्कर के कारण भीषण आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे यात्री अंदर फंस गए। वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। बचाव दल और स्थानीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पतालों में भर्ती

कराया गया, जबकि मृतकों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिला एसपी ने बताया कि आग लगने की इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आगे कहा कि दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक कई लोगों की हालत गंभीर है, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि बस में करीब 40 यात्री सवार थे। करीब 20 लोगों गंभीर रुप से झुलस गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वाहन जलकर राख हो गए।

जानकारी के मुताबिक दुर्घटना में मरने वालों में ज्यादातर कनिगिरी और पामुर इलाकों के रहने वाले थे। स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे और घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया।पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। यह बस ओडिशा के भुवनेश्वर से मलकाजगिरि जा रही तभी तारापुरम के पास पहुंची, तभी बस का पिछला टायर फटने से अचानक आग लग गई।

पीएम मोदी आज पश्चिम एशिया संकट को लेकर राज्यों के सीएम के साथ करेंगे चर्चा

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार शाम को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस से बात करने वाले है। इस दौरान पश्चिम एशिया में जारी हालात और उसकी वजह से देश में पैदा हुई परिस्थितियों और उससे निपटने के लिए की जा रही तैयारियों पर चर्चा हो सकती है। जानकारी के अनुसार पीएम मोदी के साथ शाम 6.30 बजे की वीडियो कॉन्फ्रेंस में चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल नहीं होने वाले हैं, क्योंकि वहां आचार संहिता लागू है। इसके पहले पीएम मोदी ने

लोकसभा और राज्यसभा में पश्चिम एशिया के हालात, भारत में मौजूदा परिस्थिति और उससे निपटने की सरकार की तैयारियों के बारे में बताया हैं। केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक में भी विपक्षी दलों के साथ ताजा स्थिति साझा की है। पीएम मोदी ने कहा है कि दुनिया में हालात विषम हैं, लेकिन संकट से निपटने के प्रति सरकार संवेदनशील, सावधान और सतर्क है। संसद में पीएम मोदी ने कहा कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी युद्ध की वजह से देश में जो हालात पैदा हुए हैं, उससे निपटने के लिए एकजुटता के साथ काम करने की जरूरत है। कोरोना संकट के दौरान भी प्रधानमंत्री मुख्यमंत्रियों को भरोसे में लेकर टीम इंडिया की भावना के साथ काम कर चुके हैं।

श्रीराम नवमी पर पीएम मोदी, राष्ट्रपति मुर्मू योगी सहित अनेक दिग्गजों ने दी बधाई

नई दिल्ली 26 मार्च (निस)-मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन समेत कई नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन-मूल्यों का अनमोल संदेश मिलता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा- सभी देशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार हमें न्याय, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

आइए, उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए हम रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप, एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण के लिए मिलजुल कर कार्य करें। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा- मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव पर हार्दिक बधाई।

वोट छीनने के बाद मोदी सरकार अब लोगों की नागरिकता भी छीन लेगी-ममता बैनर्जी

कोलकाता, 26 मार्च (निस) पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी, मोदी सरकार और निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला कर उन पर संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। सीएम बनर्जी ने उत्तर बंगाल के मैनागुड़ी में चुनावी रैली को संबोधित कर आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग ''मतदान के अधिकार छीन रहे हैं।''उन्होंने चेतावनी दी कि मोदी सरकार का अगला कदम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी)

लागू करके नागरिकता छीनने का प्रयास हो सकता है। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से कुछ समुदायों को चुनाव प्रक्रियाओं से बाहर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''राजबंशियों के नाम एसआईआर के जरिए हटा दिए गए हैं।कहीं महिलाओं के नाम भी हटाए जा रहे हैं। अगर एसआईआर की वजह से मौतें होती हैं, तब जिम्मेदारी कौन लेगा?'' सीएम ममता ने कहा, आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे और मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिए बिना सीएम ममता ने जनसभा में उपस्थित लोगों से आग्रह किया।

फ्रांस पहुंचे जयशंकर...कनाडा, जर्मन व जापान के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस) पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट और ईरान से जुड़े तनाव के बीच भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर 26 मार्च 2026 को फ्रांस पहुंचे हैं, जहां वे जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने वाले है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ईरान से जुड़े युद्ध और उसके कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधित हो रही अंतरराष्ट्रीय समुद्री आवाजाही के समाधान पर चर्चा करना है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, और यहां किसी भी तरह की रुकावट का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। हालांकि, ईरान ने भारत, रूस, चीन, इराक और पाकिस्तान के लिए इस मार्ग को खोलने की घोषणा की है, फिर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिरता सुनिश्चित करना आवश्यक बना हुआ है।

बात दें कि भारत जी7 का सदस्य नहीं है, लेकिन वर्तमान अध्यक्ष फ्रांस ने विशेष आमंत्रण दिया है। इसमें अहम चर्चा के आसार हैं।

लुधियाना के श्रीनानकसर साहिब में संगत को संबोधित किया...

भाजपा की बनाएगी पंजाब को समृद्ध, जनता ने सत्ता में बदलाव करने का मन बना लिया-सैनी

चंडीगढ़, 26 मार्च (निस) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का अंदरखाते गठजोड़ है लेकिन पंजाब की जनता ने भाजपा को सत्ता में लाने का मन बना लिया है।श्री सैनी आज पंजाब के लुधियाना जिला में स्थित गुरुद्वारा श्री नानकसर साहिब में समागम को संबोधित करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का परस्पर अंदरखाते गठजोड़ होने का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के समय दोनों पार्टियों अंदर खाते एक हो जाती हैं लेकिन हर बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा है श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है , इसमें पंजाब राज्य भी पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता

संग्राम में इस प्रदेश के वीरों का अहम् योगदान रहा है। उन्होंने जिस देश एवं प्रदेश के सपने देखे थे उनको पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी निरंतर विकास कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि पंजाब विकास के मामले में पहले भी नंबर वन प्रदेश रहा है लेकिन पिछले कुछ समय से इस प्रदेश में ऐसी राजनीति रही कि युवाओं को नशे के दलदल में धकेल दिया गया। विकास के मामले में भी पंजाब पिछड़ गया।

असली दौलत गुरु के चरणों में और %नाम% की कमाई में है = मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी- हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि असली दौलत गुरु के चरणों में और %नाम% की कमाई में है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शांति गुरु के सानिध्य में ही मिलती है।मुख्यमंत्री वीरवार को पंजाब, लुधियाना के गुरुद्वारा श्री नानकसर साहिब में आयोजित समागम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।इस अवसर पर बाबा घाला सिंह जी, अनेक संत-महापुरुषगण और देश-विदेश से पधारी साध संगत उपस्थित थी।

श्री नायब सिंह सैनी ने समागम में उपस्थित संगत को दुर्गाष्टमी और रामनवमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री नानकसर साहिब वही पावन स्थान है, जिसकी नींव बाबा नंद सिंह जी महाराज ने अपने कठोर तप से रखी थी। उन्होंने भक्ति की उस जोत को जलाया, जिसकी लौ आज करोड़ों दिलों को रोशन कर रही है। उनके पदचिह्नों पर चलते हुए बाबा ईशर सिंह जी महाराज ने यहां सात वर्षों तक एकांतवास में सिमरन किया। उन्होंने कहा कि यह उन्हीं महापुरुषों की कमाई का फल है कि आज **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

मां बनी प्यार में बाधा.....प्रेमी के साथ मिलकर बेटी ने मां को निपटा डाला

हैदराबाद, 26 मार्च (निस) हैदराबाद से चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने रिश्तों को शर्मसार किया है। भारत नगर में युवती ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपनी मां की हत्या कर दी और शव को करीब एक साल तक घर में छिपाकर रखा। इस सनसनीखेज मामले के सामने आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान अंजू के रूप में हुई है, जो पिछले साल मई में अचानक लापता हो गई थी। उस समय उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई गई थी, लेकिन लंबे समय तक उनका कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने मामले की जांच जारी रखी और अंततः एक साल बाद इस भयावह सच्चाई का खुलासा हुआ। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अंजू की बेटी का एक युवक के साथ प्रेम संबंध था। युवती को लगता था कि उसकी मां इस रिश्ते में बाधा बन रही है। इसकारण बेटी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर मां को रास्ते से हटाने की साजिश रची। योजना के तहत दोनों ने अंजू की हत्या कर दी

केंद्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तेजी लाए : मनोहर लाल

करनाल, 26 मार्च (संदीप रोहिला) केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री एवं करनाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनोहर लाल ने लघु सचिवालय के सभागार में आज जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तेजी लाए तथा ज्यादा से ज्यादा लोगों तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। मंत्री ने बैठक में 11 विभागों की 23 महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी बैठक में आय-व्यय के डाटा प्रस्तुत करने के बजाए योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर बेहतरीन प्लान से कार्य करे। अगर कोई समस्या आडे आती है तो उसके समाधान के लिए सुझाव दें। बैठक में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा के

दौरान डीडीए को निर्देश दिए कि वे मेरी फसल, मेरा ब्योरा पोर्टल पर शत प्रतिशत फसलों का पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें। इसमें मिश्रित फसलों के अलावा खाली कृषि भूमि का भी ब्योरा भी किसानों से दर्ज करवाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फसल पंजीकरण के लिए किसानों को जागरूक किया जाए तथा निर्धारित तिथि 15 अगस्त से लेकर 15 अक्टूबर वेरिफिकेशन का कार्य पूरा करवाया जाए। ताकि किसान को फसल बेचने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कम से कम साल में एक-एक किसान मेला अवश्य लगाया जाए और किसानों को कृषि की आधुनिक तकनीकी तथा नए-नए बीजों के बारे में जानकारी दें तथा आयोजित किसान मेलों की फिडबेक ली जाए और अच्छे सुझावों को अपना कर किसानों को योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाए। उन्होंने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से जुड़ी योजना को लेकर निर्देश दिए कि अंतिम **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सम्पादकीय

शांति स्थापना के लिए भारत पर नजर

आज का भारत वैश्विक क्षितिज पर एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र की भाँति उभर रहा है, जिसकी चमक से दुनिया की महाशक्तियाँ भी चकित हैं। अमेरिकी सेना के रिटायर्ड कर्नल डगलस मैकग्रेगर का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह सुझाव देना कि युद्ध विराम और शांति स्थापना के लिए उन्हें भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से संपर्क साधना चाहिए, केवल एक बयान मात्र नहीं है, बल्कि यह बदलते विश्व क्रम की उस हकीकत का प्रमाण है जहाँ भारत अब एक मूक दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है। यह स्वीकारोक्ति भारत की उस बढ़ती साख को रेखांकित करती है जिसने वैश्विक राजनीति के समीकरणों को पुनर्परिभाषित कर दिया है। वर्तमान भारत जिस अवस्था में पहुँच चुका है, वह उसे वैश्विक शांति के लिए दुनिया भर के नेताओं के बीच आशा का एक सशक्त केंद्र बिंदु बनाती है। भारत की यह मान्यता और प्रतिष्ठा केवल हवा-हवाई दावों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे ठोस कूटनीतिक सफलताएँ और सामरिक कौशल की गाथाएँ छिपी हैं। दुनिया के सबसे संवेदनशील जल क्षेत्रों और बंदरगाहों, विशेषकर जलडमरू मध्य जैसे रणनीतिक मार्गों पर जहाँ आज भी युद्ध की विभीषिका के कारण बड़े-बड़े विकसित देशों के तेल वाहक जहाज और मालवाहक पोत बारूदों का शिकार हो रहे हैं या वहां से गुजरने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, वहीं भारत के तिरंगे के साथ चलने वाले तेल वाहक विमान और पोत निर्बाध रूप से अपनी मंजिल तक पहुँच रहे हैं। यह दृश्य भारत की उस अदृश्य शक्ति और विश्वसनीयता को दर्शाता है जिसे दुनिया की कोई भी ताकत चुनौती देने का साहस नहीं कर पा रही है। यहाँ तक कि ईरान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश भी भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और उसके बढ़ते प्रभाव के आगे खुद को असहज और विरोध करने में असमर्थ पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वसुधैव कुटुंबकम के अपने पुरातन मंत्र को आधुनिक कूटनीति का आधार बनाया है। इसी का परिणाम है कि जहाँ एक ओर इजरायल जैसा शक्तिशाली और तकनीकी रूप से समृद्ध राष्ट्र भारत को अपना सबसे विश्वसनीय मित्र मानता है, वहीं दूसरी ओर अरब जगत और ईरान जैसे देशों के साथ भी भारत के संबंध मधुरता और सम्मान के नए पायदान चढ़ रहे हैं। जब रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध की ज्वाला भड़की और पूरी दुनिया दो धड़ों में बँट गई, तब केवल भारत ही वह शक्ति था जिसने दोनों पक्षों की आँखों में आँखें डालकर अपने हितों की बात की। हज़ारों भारतीय नागरिकों और छात्रों के युद्ध क्षेत्र में फंसे होने की खबर ने पूरे देश को चिंतित कर दिया था, लेकिन यह प्रधानमंत्री मोदी का ही ओजस्वी व्यक्तित्व और भारत की साख थी कि दोनों युद्धरत देशों ने भारत के आग्रह पर अस्थायी रूप से युद्ध विराम किया ताकि भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सके। ऑपरेशन गंगा की सफलता ने दुनिया को दिखा दिया कि नए भारत के लिए अपने नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए वह किसी भी सीमा तक जा सकता है। ऐसा ही दृश्य ईरान में भी देखने को मिला जब अमेरिकी हमलों और अशांति के माहौल के बीच ईरानी सरकार ने भारतीयों की सुरक्षित निकासी में अभूतपूर्व सकारात्मक रुख दिखाया। यह सम्मान किसी डर से नहीं, बल्कि उस विश्वास से उपजा है जो भारत ने अपनी निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नीतियों के जरिए वैश्विक मंच पर कमाया है। आज जब हम वैश्विक परिदृश्य को देखते हैं, तो एक बहुत ही व्यापक और स्पष्ट तस्वीर उभरती है कि दुनिया के तमाम देश चाहे आपस में कितने ही विरोधाभासों या युद्धों में क्यों न उलझे हों, लेकिन वे भारतीय नागरिकों और भारत सरकार के प्रति अटूट सम्मान का भाव रखते हैं। यह भारतीय कूटनीति की वह विजय है जहाँ हमने बिना किसी गुटबाजी में फंसे, अपनी शर्तों पर दुनिया के साथ हाथ मिलाया है। घरेलू स्तर पर भले ही राजनीतिक मतभेदों के कारण विपक्षी दल अपने निजी स्वार्थों या सत्ता की ललक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार की आलोचना करते रहें, लेकिन जमीनी हकीकत और अंतरराष्ट्रीय मंच की गवाही कुछ और ही कहानी बयां करती है। सत्य यह है कि वर्तमान भारत अब केवल अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूसरों की ओर नहीं देखता, बल्कि दुनिया की बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। सदियों बाद ही सही, भारत एक बार फिर तेजी से विश्व गुरु के पद की ओर अग्रसर हो रहा है। आधुनिक तकनीक, मजबूत अर्थव्यवस्था, अडिग नेतृत्व और अटूट संकल्प शक्ति भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता ने भारत को एक ऐसी स्थिति में ला खड़ा किया है जहाँ भारत की आवाज को न केवल सुना जाता है, बल्कि उसका अनुसरण भी किया जाता है। वैश्विक मंचों पर भारत की उपस्थिति अब औपचारिकता नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन गई है। चाहे वह जलवायु परिवर्तन का मुद्दा हो, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई हो या फिर ग्लोबल सप्लाई चेन को स्थिर रखने की चुनौती, भारत की भूमिका अग्रणी रहती है। भारत की यह नई सामर्थ्य प्रत्येक भारतीय के मन में गर्व और आत्मविश्वास का संचार करती है। आज का भारतीय नागरिक दुनिया के किसी भी कोने में गर्व से अपना सिर उठाकर कह सकता है कि वह उस महान देश का हिस्सा है जो युद्ध को खत्म करने की क्षमता रखता है और जो मानवता के कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहता है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक नेतृत्व का वह अद्भुत संगम है जिसने हमें वैश्विक राजनीति के ध्रुव तारे के रूप में स्थापित कर दिया है। इस महान राष्ट्र की बढ़ती शक्ति किसी को डराने के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को शांति और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए है। वास्तव में, यह भारत का स्वर्ण युग है जहाँ हमारी सीमाओं के बाहर हमारा मान बढ़ा है और सीमाओं के भीतर देश का स्वाभिमान अपनी चरम सीमा पर है। भारत का यह बढ़ता कद और प्रधानमंत्री मोदी का यशस्वी नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसी विरासत स्थापित कर रहा है, जिसमें भारत फिर से दुनिया का मार्गदर्शन करने वाला सिरमौर राष्ट्र कहलाएगा।

भगवान श्रीराम के आदर्शों से सजे जीवन का पर्व है रामनवमी

- योगेश कुमार गोयल
(रामनवमी पर विशेष)

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में समूचे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ रामनवमी का त्यौहार मनाया जाता है। रामनवमी की तारीख को लेकर इस बार भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल चैत्र महीने के शुक्लपक्ष की नवमी तिथि 26 मार्च को सुबह 11:48 बजे से शुरू होकर अगले दिन 27 मार्च को सुबह 10:06 बजे तक रहेगी। ऐसे में समान्य जन रामनवमी का पर्व 26 मार्च को मनाएंगे जबकि वैष्णव परंपरा से जुड़े लोग उदया तिथि के आधार पर 27 मार्च 2026 को रामनवमी मनाएंगे। रामनवमी के दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं तथा अयोध्या स्थित सरयू नदी में पवित्र स्नान कर पंचकोसी की परिक्रमा करते हैं। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आती है और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ती है। देशभर में अन्य स्थानों पर भी जगह-जगह इस दिन श्रद्धापूर्वक हवन, व्रत, उपवास, यज्ञ, दान-पुण्य आदि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।

मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया। महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और

श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े।

वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखां की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14000 राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया। कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए। वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें 'मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया।

जहां तक राम-रावण के बीच हुए भीषण युद्ध की बात है तो वह सिर्फ दो राजाओं के बीच का सामान्य युद्ध नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था, जिसमें एक मानव संस्कृति थी तो दूसरी राक्षसी संस्कृति। एक ओर क्षमादान की भावना को महत्व देने वाले व जनता के दुख-दर्द को समझने एवं बांटने वाले वीतरागी भाव थे तो दूसरी ओर दूसरों का सब कुछ हड़प लेने की राक्षसी प्रवृत्ति। रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के। यही नहीं, सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है। 'रामराज्य' यानी सुख, शांति एवं न्याय का राज्य।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' पुस्तक के लेखक हैं)

भारतीय रेल में रिफार्म की पटरी पर विकास का बिगुल

-बिनोद कुमार सिंह

सुविधा,सुरक्षा और गति के नए युग की ओर बढ़ता भारत का भारतीय रेल

भारत की जीवनरेखा कही जाने वाली भारतीय रेल आज एक ऐसे परिवर्तनकाल से गुजर रही है,जहाँ उसकी भूमिका केवल परिवहन तक सीमित नहीं रह गई है।यह अब देश की आर्थिक गति,सामाजिक संपर्क और सांस्कृतिक एकात्मता का सशक्त माध्यम बन चुकी है।वर्ष के प्रारम्भ में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा व्यक्त दृष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भारतीय रेल को पारंपरिक ढांचे से निकालकर आधुनिक,कुशल और यात्री-केंद्रित प्रणाली में रूपांतरित करना अब प्राथमिकता है।यह परिवर्तन केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि धरातल पर तेजी से आकार लेता दिखाई दे रहा है।रेल भवन में आयोजित हालिया प्रेस वार्ता में घोषित आठ प्रमुख सुधारों ने इस बदलाव को एक स्पष्ट दिशा दी है। ये सुधार किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं,बल्कि रेलवे के संचालन,संरचना,सेवा और सोच—सभी को समाहित करते हैं।यही कारण है कि आज भारतीय रेल का चेहरा व्यापक रूप से बदलता नजर आ रहा है।आधुनिक ट्रेनों के संचालन ने इस परिवर्तन को सबसे अधिक दृश्य रूप दिया है।अमृत भारत,वंदे भारत एक्सप्रेस और वंदे भारत स्लीपर जैसी ट्रेनों ने यात्रा के अनुभव को नई ऊँचाई दी है।ये ट्रेनें गति,आराम और तकनीकी उत्कृष्टता का संतुलित मेल प्रस्तुत करती हैं।वही नमो भारत ट्रेन क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई गति देते हुए छोटे शहरों और महानगरों के बीच दूरी को कम कर रही है।इसके साथ ही बुलेट ट्रेन परियोजना भारत को उच्च गति रेल नेटवर्क की वैश्विक श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी प्रयास है।स्टेशनों का पुनर्विकास इस परिवर्तन की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी है।देश के अनेक रेलवे स्टेशन अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होकर यात्रियों को एक व्यवस्थित,स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण प्रदान कर रहे हैं।प्रतीक्षालयों की गुणवत्ता,डिजिटल सूचना प्रणाली,एस्केलेटर और लिफ्ट जैसी सुविधाएँ अब सामान्य होती जा रही हैं। रेलवे स्टेशन अब केवल यात्रा के पड़ाव नहीं,बल्कि अनुभव के केंद्र बनते जा रहे हैं।इन व्यापक परिवर्तनों के बीच घोषित आठ सुधार भारतीय रेल के भविष्य की बुनियाद के रूप में उभरते हैं।सबसे पहला सुधार टिकटिंग प्रणाली के पूर्ण डिजिटली करण और सरलीकरण से संबंधित है।टिकट बुकिंग की जटिलताओं को समाप्त कर इसे पारदर्शी और सहज बनाने का प्रयास किया जा रहा है।मोबाइल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया जा रहा है,जिससे हर वर्ग का यात्री बिना किसी कठिनाई के टिकट प्राप्त कर सके।दूसरा सुधार सुरक्षा तंत्र के सुदृढ़ीकरण का है।रेलवे परिसरों

और ट्रेनों में आधुनिक निगरानी प्रणाली, सीसीटीवी नेटवर्क और तकनीक आधारित सुरक्षा उपायों को विस्तार दिया जा रहा है।इससे यात्रियों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा और रेलवे एक अधिक सुरक्षित यात्रा माध्यम के रूप में स्थापित होगा।तीसरा सुधार समय बद्धता और परिचालन दक्षता पर केंद्रित है।ट्रेनों की देरी को कम करने के लिए सिग्नलिंग प्रणाली का आधुनिकी करण,ट्रैक उन्नयन और बेहतर संचालन प्रबंधन पर बल दिया जा रहा है। विश्वसनीयता को मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। चौथा सुधार स्टेशनों के कायाकल्प से जुड़ा है,जिसके अंतर्गत उन्हें आधुनिक सुविधाओं और बेहतर प्रबंधन के साथ विकसित किया जा रहा है।इससे यात्रियों को एक सुव्यवस्थित और सम्मानजनक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। पाँचवाँ सुधार खानपान और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने का है।भोजन की गुणवत्ता और सफाई व्यवस्था को लेकर सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है,जिससे यात्रियों को सुरक्षित और संतोषजनक सेवाएँ मिल सकें। छठा सुधार आधुनिक ट्रेनों के विस्तार और उनकी गति में वृद्धि का है।नई पीढ़ी की ट्रेनों के माध्यम से यात्रा को तेज,आरामदायक और तकनीकी रूप से उन्नत बनाया जा रहा है,जिससे भारतीय रेल वैश्विक मानकों की ओर अग्रसर हो सके।सातवाँ सुधार बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और हाई-स्पीड परियोजनाओं के विकास से संबंधित है।ट्रैक,पुल और अन्य संरचनाओं के उन्नयन के साथ-साथ बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाएँ रेलवे को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती हैं।आठवाँ और अंतिम सुधार पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने का है।रेलवे तेजी से विद्युतीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है,जिससे डीजल पर निर्भरता कम हो और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखा जा सके।यह कदम सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इन सुधारों की श्रंखला में भारतीय रेल केवल अपनी संरचना ही नहीं, बल्कि अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण को भी बदल रही है।अब यह एक ऐसी सेवा प्रणाली के रूप में उभर रही है,जो यात्रियों की अपेक्षाओं को समझते हुए उन्हें प्राथमिकता देती है।यह परिवर्तन देश की अर्थव्यवस्था को गति देने, व्यापार को सशक्त करने और दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जिस दिशा में आगे बढ़ रही है,वह एक नए भारत की तस्वीर प्रस्तुत करती है -जहाँ गति है,सुरक्षा है, सुविधा है यह विकास का बिगुल केवल पटरियों तक सीमित नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति का प्रतीक बन चुका है। आने वाले समय में यही रेल तंत्र भारत की विकास यात्रा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में निर्णायक भूमिका निभाईगी ।

अमेरिका के युद्धविराम घोषणा से दिखी आशा की किरण

- मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिका का पांच दिन के लिए एक तरफा युद्ध विराम का एलान बेहद खराब दौर में पहुंच चुके हालात में शांति का संदेश वाहक बन रहा है। मध्य पूर्व में तनाव के बीच ताज़ा घटनाक्रम इस ओर इशारा कर कर रहे हैं कि अब मिसाइल अटैक थमने को तैयार हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव में आया यह अल्पविराम महज एक रणनीतिक ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए एक निर्णायक अवसर है। पिछले 24 दिनों से इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जारी भयंकर युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा पांच दिन के लिए युद्ध विराम की घोषणा करना नि:संदेह वैश्विक स्तर पर एक राहत देने वाली खबर हैं। युद्ध जैसे विनाशकारी परिदृश्य में जब भी संवाद और विराम की संभावना बनती है, वह केवल संबंधित देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आशा की किरण लेकर आती है। ऐसे समय में जब हर दिन नई तबाही और अनिश्चितता का संदेश ला रहा था, अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई को अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा सकता है। इसमें कोई दोमत नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत और सीमित समय के। के लिए सैन्य सैन्य कार्रवाई रोकने के संकेत ने वैश्विक स्तर पर उम्मीद की एक नई किरण जगाई है। इसका कारण है कि यह केवल दो देशों के बीच टकराव का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया अर्थव्यवस्था, राजनीति और मानवता पर पड़ रहा है।

आजकल युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया को हिला देते हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर सीधा प्रहार किया है। विकासशील देशों के लिए यह संकट और गहरा है, जहां महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। ऐसे में यह युद्ध केवल तीन देशों का मसला नहीं, बल्कि

पूरी मानवता के आर्थिक और सामाजिक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गहरी चोट पहुंचाई है। उसके पूरे नेतृत्व को खत्म कर दिया। आपको पता रहे कि ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों और आधारभूत ढांचे को ध्वस्त कर ईरान को करीब 20 से 25 साल पीछे धकेल दिया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले को अस्थायी रूप से टालने का निर्णय, भले ही पांच दिनों के लिए हो, एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संकेत है। यह दिखाता है कि युद्ध के बीच भी बातचीत की संभावना सरावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। हालांकि, इस निर्णय को लेकर कई सवाल भी उठते हैं, खासकर तब जब ईरान ने किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष बातचीत से इनकार किया है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि स्थिति अभी भी अनिश्चितताओं से भिरी हुई है। इस संघर्ष की पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। माना जा रहा है कि अमेरिका ने काफी मजबूरी में युद्ध विराम का फैसला लिया है। अमेरिका शुरुआती रणनीति में यह मानकर चला था कि सीमित सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान के भीतर बाद ईरान के भीतर जन असंतोष उभरेगा और सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। लेकिन यह आकलन गलत साबित हुआ। न तो जनता सड़कों पर उतरी और न ही सत्ता संरचना में कोई तत्काल बदलाव आया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि बाहरी हस्तक्षेप के आधार पर किसी देश की आंतरिक राजनीति को बदलना इतना आसान नहीं है। युद्ध को आगे बढ़ाने का विकल्प अमेरिका के सामने था, लेकिन इसके साथ कई गंभीर जोखिम जुड़े थे। अफगानिस्तान और इराक के अनुभव पहले से ही अमेरिका के सामने हैं, जहां लंबे सैन्य अभियानों ने न केवल आर्थिक बल्कि राजनीतिक रूप से भी भारी कीमत वसूल की। इस पूरे घटनाक्रम में खाड़ी देशों की भूमिका भी अहम रही है। ओमान, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों ने स्पष्ट संकेत दिए कि वे इस संघर्ष के विस्तार के पक्ष में नहीं हैं। उनके लिए यह युद्ध आर्थिक और सामरिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता है। यदि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला होता, तो जवाबी कार्रवाई में खाड़ी क्षेत्र के तेल और गैस संसाधन भी निशाने पर आ सकते थे। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ता। होर्मुज जलडमरू मध्य का मुद्दा भी इस संघर्ष के केंद्र में है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यदि यहां तनाव बढ़ता है या मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध होता है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। यही कारण है कि सैन्य विशेषज्ञों ने भी इस क्षेत्र में युद्धपोत भेजने के जोखिमों को लेकर चेतावनी दी है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो इस संघर्ष ने पहले ही वैश्विक बाजारों को झकझोर दिया है। तेल की कीमतों में तेजी, गैस की कीमतों में उछाल और शेयर बाजारों में अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बुद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। भारत जैसे देशों के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, इसका सीधा असर महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़ता है। हालांकि, जैसे ही युद्धविराम की संभावना सामने आई, बाजारों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेल की कीमतों में गिरावट और शेयर बाजारों में तेजी यह दर्शाती है कि निवेशक और वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिरता की उम्मीद कर रहे हैं। यह एक संकेत है कि शांति केवल मानवीय दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अनिवार्य है। यह समझना जरूरी है कि यह पांच दिनों का युद्धविराम एक स्थायी समाधान नहीं है।

पिता से गिफ्ट में मिले मोबाइल के लिए बदमाशों से भिड़ी बेटी

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) दक्षिणी दिल्ली में 26 वर्षीय तनिष्का ने बहादुरी का परिचय देते हुए अपने मोबाइल झपटमारों को फिल्मी अंदाज में दबोच लिया। पुलिस ने आरोपित मनीष और सनी को गिरफ्तार कर मोबाइल व स्कूटी जब्त कर ली। तनिष्का के इस साहस की खूब प्रशंसा हो रही है। वहीं कई मामलों में लोग बहादुरी दिखाकर झपटमारों का पीछा कर उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले करते हैं। ऐसा ही एक मामला दक्षिणी दिल्ली से सामने आया, जहां एक युवती ने हिम्मत और हौसले की ऐसी ही मिसाल पेश की।

नई दिल्ली में पीएनजी कनेक्शन का विस्तार तेज

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) एनडीएमसी ने नई दिल्ली में पीएनजी कनेक्शन का विस्तार तेज करने के लिए तीन महीने सड़क शुल्क माफ कर दिया है। आईजीएल को 24 घंटे में अनुमति और काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए है। राष्ट्रीय राजधानी में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के उद्देश्य से नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने बड़ा फैसला लिया है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के जरिए पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कनेक्शनों के विस्तार को तेज करने के लिए नई गाइडलाइन जारी की गई हैं, जिससे आने वाले दिनों में लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। वर्तमान स्थिति और जनहित को ध्यान में रखते हुए एनडीएमसी ने एक सर्कुलर जारी किया है। जिसका उद्देश्य आईजीएल द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में पीएनजी कनेक्शनों का तेजी से विस्तार सुनिश्चित करना है। इस पहल से राजधानी के कई इलाकों में गैस कनेक्शन की उपलब्धता बढ़ेगी और लंबित कार्यों में तेजी आएगी। पालिका परिषद के निर्देशों के अनुसार, पीएनजी पाइपलाइन बिछाने के दौरान लगने वाला सड़क बहाली शुल्क सर्कुलर जारी होने की तारीख से तीन महीने के लिए माफ कर दिया गया है। इस फैसले से परियोजनाओं की लागत कम होगी और काम को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी।

भारतीय नौसेना टैंकरों को एस्कॉर्ट कर रही, होर्मुज पार कराने भी कर रही गाइड

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस) स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इस वक्त सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बना हुआ है। ईरान ने दुनिया की लाइफलाइन कहे जाने वाले इस रूट से गुजरने वाली ग्लोबल एनर्जी ट्रेड को बंद कर रखा है। यहां से सिर्फ भारत को अपने एनर्जी ट्रेड के मूवमेंट की इजाजत है। भारतीय नौसेना की मदद से भारत का एनर्जी ट्रेड भारत पहुंच रहे हैं। खास बात यह है कि भारतीय नौसेना न सिर्फ टैंकरों को एस्कॉर्ट कर रही है, बल्कि उन्हें होर्मुज पार करने के लिए गाइड भी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि नेवी उन जहाजों के संपर्क में रहती है जिन्हें एक-एक करके फारस की खाड़ी से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर बाहर निकलना होता है। सुरक्षा के मद्देनजर नेवी इन जहाजों को गाइड कर रही है कि कैसे और किस रास्ते से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार करना है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार करने के बाद भारतीय नौसेना के डेस्ट्रॉयर और फ्रिगेट उन्हें एस्कॉर्ट करते हुए आधे रास्ते तक सुरक्षित पहुंचा रहे हैं। भारतीय नौसेना ने पहले ही अपनी तैनाती को ओमान की खाड़ी की ओर बढ़ा दिया है। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक एस्कॉर्ट ऑपरेशन लगातार जारी रहे, इसके लिए उस इलाके में पर्याप्त वॉरशिप और लॉजिस्टिक सपोर्ट तैनात किया है।

ईरान जंग का चुनाव पर असर, मिडिल ईस्ट में रहते हैं केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस) अमेरिका और ईरान युद्ध का असर भारत में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। खाड़ी देशों में भारतीयों के फंसे होने के कारण वोटर संख्या प्रभावित हो सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर केरल पर पड़ेगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऑब्जर्वर्स का कहना है कि इसका असर मतदाताओं की संख्या पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि संख्या निर्णायक नहीं होगी, लेकिन कुछ इलाकों में इनका असर दिखेगा। वोट डालने के लिए यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से केरलवासी भारत आते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मतदाताओं की संख्या का असर खासतौर से उत्तर केरल में नजर आएगा। इसके चलते मलप्पुरम, कोझिकोड और कासरगोड जिलों में असर देखा जा सकता है। साथ ही पलक्कड़ और थ्रिसूर कुछ प्रभावित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि आईयूएमएल यानी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को इस वोटर का सबसे ज्यादा फायदा होता है। आईयूएमएल कांग्रेस की अगुवाई वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का हिस्सा है। पार्टी के महासचिव पीएमए सलाम का कहना हैं कि कई लोग वोटिंग के लिए वापस नहीं आ पाएंगे। हमारे केएमसीसी सदस्य खाड़ी देशों में अधिकारियों से बात कर रहे हैं, लेकिन हालात सामान्य नहीं हुए तो मतदाताओं की संख्या कम रहेगी। सीपीआई से राज्यसभा सांसद संदोश कुमार पी कहते हैं कि उत्तर केरल में कुछ ही क्षेत्र हैं, जहां खाड़ी में रहने वाले मतदाताओं का संख्या ज्यादा है। आमतौर पर ये सीटें जीत के बड़े अंतर वाली हैं।

सीएम स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस) तमिलनाडु के सीएम और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन किए जाने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के चुनावों को देखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने 2011 की जनगणना को ही आधार मानकर महिला आरक्षण लागू करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे समय में इस प्रस्ताव पर चर्चा कर रही है, जब चार राज्यों और पुदुचेरी में चुनाव होने हैं और वहां आचार संहिता लागू है। उन्होंने कहा कि यह अप्रत्याशित है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण पर सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर विचार कर रही है। यह 128वें संविधान संशोधन के विपरीत है, जो 2023 में पारित हुआ था। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि 2026 की जनगणना के आधार पर इसे लागू किया जाए। ऐसी ही बात 2023 के महिला आरक्षण एक्ट में कही गई थी। उन्होंने कहा कि हम बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण का समर्थन करते हैं, लेकिन यह जरूरी है कि सीटों का परिसीमन सही तरीके से किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने परिसीमन में आनुपातिक प्रतिनिधित्व से किसी छेड़छाड़ का विरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने अगले 30 सालों के लिए इस बात की गारंटी मांगी कि जो परिसीमन तय हो जाएगा, उसमें तीन दशकों तक कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

गीली हल्दी से बनी सोलापुरी माता की प्रतिमा, शोभायात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

बिलासपुर 26 मार्च (निस) सिरगिट्टी के शुभम विहार स्थित श्री श्री सोलापुरी माता पूजा समिति द्वारा आयोजित वार्षिक पूजा उत्सव के तहत सोमवार को सोलापुरी माता की पूजा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुई। इस दौरान गीली हल्दी से निर्मित माता की प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

बंगाल से आए पुजारियों ने कराया अनुष्ठान-न्यू लोको कॉलोनी स्थित त्रिपुरा सुंदरी माता मरी मई मंदिर में खरगपुर पश्चिम बंगाल से आए साई ब्रदर्स के पुजारियों द्वारा विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई इसके बाद शोभायात्रा निकाली गई।

बाल पुजारियों ने निभाई खास भूमिका-शोभायात्रा में बाल पुजारी रोहित नेतानि, जी. श्रीनिवास राव, एम. आदित्य, पी. गोविंद और गजेंद्र कुमार की विशेष सहभागिता रही। काली, शेर और दुर्गा के रूपों में सजी झांकियों के साथ डफली, तासा और बैंड की धुनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कई मार्गों से गुजरते हुए पंडाल पहुंची यात्रा-शोभायात्रा वार्ड क्रमांक 12, 11 और 10 के प्रमुख मार्गों—संतोषी मंदिर, गोविंद नगर, रेलवे अंडर ब्रिज, गुरुद्वारा, साई मंदिर बन्नक चौक, शारदा मंदिर और रूचिका विहार से होते हुए शुभम विहार स्थित पूजा पंडाल पहुंची, जहां माता की पुन: स्थापना की गई।

रास्ते भर हुआ स्वागत-यात्रा के दौरान विभिन्न कॉलोनियों में श्रद्धालुओं ने फल, लस्सी, शरबत और अन्य प्रसाद से स्वागत किया। राजनीतिक, सामाजिक और आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई इस अवसर पर यू. मुरली राव, प्रेमलाल चौहान, एन. गोविंद राजू, पोट्टी भीष्म राव, जी. राजकेश्वर राव, एम. तवुदु, पी. नोक राजू, साई राम शर्मा सहित अनेक सदस्यों का योगदान रहा। वहीं महिला सदस्यों में जोगी दमयंती, पोट्टी वर लक्ष्मी, यू. ज्योति, बी. ज्योति, लिपिका चक्रवर्ती, एन. लक्ष्मी, एन. लावण्या, एस. सूर्य कुमारी, क्षमा तिवारी, अनीता यादव उपस्थित रही।

प्रबंध निदेशक की पत्नी ने भरा गरीब उपभोक्ता का बिजली बिल, मिला योजना का लाभ

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा समाधान योजना के तहत पाली सब-डिवीजन में आयोजित शिविर में एक भावुक और मानवीय पहल देखने को मिली। वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर की पत्नी मंजुला सिंह कंवर ने एक आर्थिक रूप से कमजोर उपभोक्ता की सहायता कर संवेदनशीलता का उदाहरण पेश किया शिविर के दौरान ग्राम केराझरिया निवासी जगत प्रसाद की पुत्री ने आर्थिक तंगी के कारण योजना का लाभ लेने के लिए शेष राशि जमा करने में असमर्थता जताई। इस पर मंजुला सिंह कंवर ने तत्परता दिखाते हुए 8,022 रुपए की राशि स्वयं जमा कर दी। इससे संबंधित उपभोक्ता का पूरा बिजली बिल शून्य हो गया।

योजना के तहत मिली बड़ी राहत-पाली में आयोजित इस शिविर में कुल 20 पात्र उपभोक्ताओं ने भाग लिया। इन उपभोक्ताओं द्वारा करीब 1 लाख 29 हजार रुपए का बिजली बिल जमा किया गया, जबकि योजना के अंतर्गत उन्हें 3 लाख 48 हजार रुपए की छूट का लाभ मिला।

कोरोना प्रभावितों के लिए बड़ी राहत-राज्य शासन द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत कोरोना काल में आर्थिक रूप से प्रभावित उपभोक्ताओं को राहत दी जा रही है। योजना में निम्नदाब घरेलू, बीपीएल और कृषि उपभोक्ताओं को सरचार्ज पूरी तरह माफ किया जा रहा है, साथ ही मूल राशि में भी 50 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है।

विश्व क्षय दिवस पर सिम्स की पहल- जागरूकता, पोषण और उपचार से टीबी उन्मूलन की ओर मजबूत कदम

बिलासपुर 26 मार्च (निस) विश्व क्षय दिवस के अवसर पर सिम्स में आयोजित विशेष जागरुकता कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी से लड़ाई सिर्फ दवाइयों से नहीं, बल्कि जागरूकता, पोषण और नियमित उपचार से ही जीती जा सकती है। इस अभियान में मरीजों की देखभाल के साथ समाज को भी जागरूक करने पर जोर दिया गया। सिम्स में रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग द्वारा विश्व क्षय दिवस पर मंगलवार को व्यापक जागरूकता एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पंजीकृत टीबी मरीजों को प्रोटीन पाउडर वितरित किया गया, वहीं अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल देकर उनके पोषण स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया। मरीजों और उनके परिजनों के लिए आयोजित जागरूकता सत्र में टीबी के लक्षण, कारण, बचाव और उपचार की विस्तृत जानकारी दी गई। रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतीक कुमार ने बताया कि टीबी एक संक्रामक रोग है, जो मुख्यत: फेफड़ों को प्रभावित करता है, लेकिन समय पर पहचान और नियमित इलाज से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने दवा का पूरा कोर्स करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। सहायक प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि यह बीमारी व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार और समाज पर भी गहरा असर डालती है, इसलिए समय पर इलाज बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में टीबीएचवी कविता सिंह, फार्मासिस्ट स्वाति श्रीवास्तव, तूफान सिंह सूर्यवंशी सहित चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर टीबी मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

सिम्स में हो रहा बेहतर इलाज

सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि आधुनिक जांच तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के माध्यम से मरीजों को उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने जागरूकता को टीबी के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बताया।

खेल-खेल में फंसी मासूम की सांसें, सिम्स के डॉक्टरों ने बचाई जिंदगी

मासूम खेल रही थी..., हंस रही थी... और फिर अचानक सब कुछ बदल गया। एक छोटी सी गलती ने उसकी सांसें थाम दीं। 3 साल की बच्ची के सिर में स्टील का कलश इस तरह फंस गया कि चेहरा और गर्दन जकड़ गए। परिवार की घबराहट के बीच सिम्स पहुंची इस नन्हीं जान को डॉक्टरों ने अपनी कुशलता से नई राहत दी और एक बड़ा हादसा टल गया।

मिली जानकारी के अनुसार एक 3 वर्षीय बच्ची खेलते-खेलते स्टील के कलश में अपना सिर डाल बैठी। शुरुआत में यह एक मासूम खेल जैसा लगा, लेकिन कुछ ही पलों में स्थिति भयावह हो गई।

साइबर अपराधों पर सख्ती की तैयारी- बिलासपुर रेंज में पुलिस की विशेष कार्यशाला

बिलासपुर 26 मार्च (निस) डिजिटल दौर में अपराध के तरीके बदल रहे हैं, और अब पुलिस भी उसी तेजी से खुद को अपडेट कर रही है। साइबर ठगी और ऑनलाइन अपराधों पर लगाम कसने के लिए बिलासपुर रेंज में आयोजित कार्यशाला ने यह स्पष्ट कर दिया कि आने वाला समय 'स्मार्ट पुलिसिंग' का है। पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग के नेतृत्व में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं विवेचना की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय रेंज स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रजनेश सिंह (उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक) और विजय पाण्डेय की विशेष उपस्थिति रही। कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को साइबर अपराधों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों, टूल्स और भारत सरकार द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। उद्घाटन सत्र में अधिकारियों ने कहा कि तकनीक में दक्षता ही अपराधियों से आगे रहने का सबसे बड़ा माध्यम है। तकनीकी सत्रों में विभिन्न विशेषज्ञों ने अहम विषयों पर जानकारी साझा की। गगन कुमार ने गृह मंत्रालय द्वारा जनवरी 2026 में जारी नई गाइडलाइन के तहत साइबर ठगी के मामलों में रकम होल्ड और रिफंड की प्रक्रिया समझाई। वहीं नेटग्रिड, साइबर फॉरेंसिक, डार्क नेट और लाइव फ्रॉड डेमो जैसे विषयों पर भी विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। आधुनिक टूल्स जैसे सीडीआर एनालिसिस, सी-ट्रेस और सशक्त एप के उपयोग से चोरी के वाहनों की पहचान और अपराधियों की लोकेशन ट्रैकिंग पर भी विशेष जोर दिया गया। 100 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण कार्यशाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित हुआ, जिसमें अधिकारियों की व्यावहारिक समस्याओं का समाधान किया गया। लगभग 100 पुलिसकर्मियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर अपराधों में त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों की राशि वापसी और अपराधियों तक पहुंच को और प्रभावी बनाना रहा। यह पहल आधुनिक तकनीक और पारंपरिक पुलिसिंग के बेहतर समन्वय की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है। **सरेआम चाकू लहराकर लोगों को धमकाने वाला आरोपी गिरफ्तार**

सार्वजनिक स्थान पर चाकू लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले आरोपी को थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। मामला 24 मार्च का है, जब पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि शनिचरी रपटा पुल स्थित दुर्गा मैदान के पास एक युवक धारदार हथियार लेकर राहगीरों को डरा रहा है। सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी राजेश पासी उर्फ गोलू (27 वर्ष), निवासी टिकरापारा खटिक मोहल्ला को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद किया गया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

दैनिक वेतन सेवा भी गिनी जाएगी पेंशन में- हाईकोर्ट

बिलासपुर 26 मार्च (निस) छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने पेंशन से जुड़े एक अहम मामले में राज्य सरकार को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि दैनिक वेतनभोगी के रूप में की गई सेवा, यदि बाद में नियमित हो गई है, तो उसे पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों में जोड़ा जाएगा। इसी के साथ राज्य सरकार द्वारा दायर रिट अपील को खारिज कर दिया गया। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया। क्या है पूरा मामला-मामला लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी बेमेतरा) के उन कर्मचारियों से जुड़ा है, जो 31 दिसंबर 1988 से पहले दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्यरत थे। बाद में वर्ष 2008 में उन्हें नियमित कर दिया गया। सेवानिवृत्ति के बाद इन्हें केवल नियमित सेवा अवधि के आधार पर ही पेंशन दी गई। कर्मचारियों ने इसे चुनौती देते हुए कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें मांग की गई कि उनकी दैनिक वेतन सेवा को भी पेंशन योग्य सेवा में शामिल किया जाए। सिंगल बेंच ने दी थी राहत-इससे पहले एकल पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि कर्मचारियों की नियमितीकरण से पहले की सेवा भी पेंशन में जोड़ी जाए। साथ ही यह निर्देश दिया गया था कि सेवा अभिलेखों का सत्यापन कर लाभ दिया जाए। राज्य सरकार ने इस आदेश को चुनौती देते हुए रिट अपील दायर की थी। राज्य सरकार ने यह दिया तर्क-राज्य की ओर से दलील दी गई कि दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी, वर्क-चार्ज या कंटीजेंसी पेड कर्मचारियों की श्रेणी में नहीं आते, इसलिए उनकी सेवा को पेंशन में नहीं जोड़ा जा सकता। सरकार ने यह भी कहा कि नियमों के अनुसार केवल स्थायी और निर्धारित श्रेणी के कर्मचारियों को ही पेंशन का लाभ मिल सकता है। कोर्ट ने क्यों खारिज की अपील-खंडपीठ ने सभी पक्षों को सुनने के बाद पाया कि इस मुद्दे पर पहले भी कई फैसले दिए जा चुके हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि किसी कर्मचारी की सेवा बाद में नियमित हो जाती है, तो उसकी पूर्व सेवा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पहले के निर्णयों और शासन के सर्कुलर के आधार पर दैनिक वेतन सेवा को पेंशन के लिए जोडऩा उचित है।

नाबालिग की कस्टडी पर हाईकोर्ट सख्त, हैबियस कॉर्पस याचिका खारिज

बिलासपुर 26 मार्च (निस) छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने नाबालिग बच्चे की कस्टडी को लेकर दायर हैबियस कॉर्पस याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि जब बच्चा अवैध हिरासत में नहीं है, तब इस प्रकार की याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया। क्या है मामला-बालोद जिले के रहने वाले याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि उनके नाबालिग पुत्र को 9 फरवरी 2026 को पारिवारिक विवाद के दौरान जबरन ले जाया गया। उन्होंने कोर्ट से बच्चे को पेश करने, कस्टडी वापस दिलाने और सुरक्षा प्रदान करने की मांग की थी। पुलिस और राज्य का पक्ष-राज्य की ओर से कोर्ट को बताया गया कि बच्चा किसी अवैध हिरासत में नहीं है, बल्कि अपनी मां के साथ ननिहाल में रह रहा है। पुलिस थाना बालोद के एसएचओ की रिपोर्ट और मां के बयान में भी यही बात सामने आई, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि बच्चे को जबरन नहीं रखा गया है।

दिल्ली में 85 लाख की लूट का वांछित बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

दिल्ली में एलपीजी सिलेंडरों की बढ़ती कीमतों को लेकर आप का प्रदर्शन

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में एलपीजी सिलेंडरों की बढ़ती कीमतों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने 25 मार्च को विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने केंद्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने चुनावी वादे पूरे नहीं किए और महंगाई पर नियंत्रण पाने में असफल रही है। आतिशी ने कहा कि भाजपा ने होली और दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर देने का वादा किया था, लेकिन अब हालात ये हैं कि आम लोगों के लिए गैस सिलेंडर खरीदना ही मुश्किल हो गया है।

इस बीच, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल और गैस परिवहन मार्गों में से एक है, वहां तनाव के कारण व्यापार प्रभावित हुआ है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों में अली खामेनेई की हत्या के बाद हालात और बिगड़ गए। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी और इजरायली ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है। इन चुनौतियों के बीच भारत के लिए राहत की खबर यह रही कि दो एलपीजी वाहक पोत—

कार्यालय खाली करने के नोटिस पर बोले कांग्रेस नेता.....बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को जल्द ही अकबर रोड स्थित अपना पुराना कार्यालय खाली करना पड़ सकता है, इस पर पार्टी 1978 से काबिज है। जो दिल्ली के लुटियंस क्षेत्र में पार्टी की उपस्थिति से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस पार्टी अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में एक बेदखली नोटिस भेजा गया है, जिसमें संगठन को 28 मार्च तक परिसर खाली करने के लिए कहा गया है। हालांकि, इस लेकर सियासी बवाल शुरू हो चुका है। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि यह सिलसिला कुछ समय से चल रहा है, लेकिन नई ज़मीन और कार्यालय आवंटित किए गए हैं और शायद यह उसी के अनुरूप है। वहीं कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा कि उन्हें लगता है कि कांग्रेस के पद को छीनकर वे कांग्रेस को डरा सकते हैं। इस पूरे मामले पर कांग्रेस पार्टी सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक सरकार नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद इमरान मसूद ने कहा कि सरकार सोचती है कि हम पर दबाव बनाकर कांग्रेस को चुप करा सकती है। उन्हें हमें डराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। क्या उन्होंने भाजपा का कार्यालय 11, अशोक रोड पर या पंत मार्ग पर खोला है?...क्योंकि वे ईरान युद्ध के संबंध में कुछ नहीं कर पाए हैं, इसलिए वे इस मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

तरुण हत्या मामले की जांच और परिवार की सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस) दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दौरान हुई युवक तरुण की हत्या के मामले में जांच और परिवार की सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार किया है। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील हरिशंकर जैन की ओर से दाखिल हुई थी। याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ित पक्ष को सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस कमिश्नर के पास जाने और दिल्ली हाईकोर्ट का रुख करने का सुझाव दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर पुलिस शिकायत पर ध्यान न दे, तब याचिकाकर्ता बेफिक्र होकर दिल्ली हाईकोर्ट जा सकते हैं। याचिका में पीड़ित परिवार को सुरक्षा और 5 करोड़ के मुआवजे की भी मांग की गई थी। याचिका में कहा गया है कि ये हत्या नहीं, मॉब लिंचिंग है, इसकारण मामले में तहसीन पूनावाला फैसले को भी लागू किया जाए। वकील जैन ने अपनी दलील में कहा, लिंचिंग की एक क्रूर घटना हुई है और एक लड़के की जान चली गई है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि रोजाना सीबीआई के लोग यहां आते हैं, हाथ खड़े कर कहते हैं कि उनके पास पहले से ही बहुत काम है। दिल्ली पुलिस प्रोफेशनल है। उन्हें हतोत्साहित क्यों किया जाए? शीर्ष अदालत ने कहा कि कुछ निर्देश पीड़ित परिवार की सुरक्षा और हिफाजत से जुड़े हैं। दिल्ली पुलिस इस मामले को देख सकती है। हम याचिकाकर्ता को छूट देते हैं कि वह पुलिस कमिश्नर के सामने एक आवेदन करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि अगर पुलिस को किसी तरह के खतरे का अंदेशा होता है, तब वह जरूरी सुरक्षात्मक कदम उठाएगी। अगर इस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है, तब याचिकाकर्ता दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है।

स्वास्थ्य के लिए 12,645 करोड़ रूपये खुलेंगे नए अस्पताल और मोहल्ला क्लिनिक

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली के स्वास्थ्य बजट के लिए 12,645 करोड़ रूपये का आवंटन किया है। इसमें नए सरकारी अस्पतालों का निर्माण, मोहल्ला क्लिनिकों का विस्तार और आधुनिक मशीनों पर जोर दिया है। जानें स्वास्थ्य क्षेत्र के 10 बड़े एलान. दिल्ली सरकार ने इस साल के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए बड़े प्रावधान किए हैं। अस्पतालों के विस्तार, नई जांच सुविधाओं, दवाइयों की उपलब्धता और डिजिटल हेल्थ सिस्टम को बेहतर बनाने पर खास जोर दिया गया है। इसके साथ ही नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य जांच, आयुष्मान योजना के विस्तार और नए आरोग्य मंदिर खोलने जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की गई हैं। सरकार का दावा है कि इन योजनाओं के जरिए राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर होगी और लोगों को इलाज की सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी।

एआईएमआईएम नेता शौकत अली के विवादित बयान पर भड़के गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एआईएमआईएम और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश कानून से चलता है और कोई भी इसे अपने हाथ में नहीं ले सकता। दिल्ली में एक बार फिर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने उत्तर प्रदेश एआईएमआईएम के अध्यक्ष हाजी शौकत अली के विवादित बयान और विपक्ष पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा कि देश कानून से चलता है और कोई भी व्यक्ति कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता। हाजी शौकत अली के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, यह देश कानून के अनुसार चलता है। न तो अकबरुद्दीन ओवैसी, न ओवैसी साहब और न ही यूपी के प्रदेश अध्यक्ष इस देश को चलाते हैं। कोई भी कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता। इस बयान के जरिए उन्होंने साफ संकेत दिया कि सरकार कानून व्यवस्था को लेकर सख्त है और किसी भी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मर्यादा, सुशासन एवं शांति के विश्वनायक श्रीराम

- ललित गर्ग

रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पुण्य और पवित्र अवसर है। आज जब दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, राजनीतिक अविश्वास और नैतिक पतन जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रही है, तब मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन-दर्शन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव समाज और विश्व-राजनीति के लिये मार्गदर्शन का स्रोत बन सकता है। श्रीराम का जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं है, बल्कि वह शासन, समाज, परिवार, युद्ध, कूटनीति, न्याय और मानव संबंधों का एक संपूर्ण दर्शन है, जिसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढक़र लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। अब श्रीराम मन्दिर के रूप में एक शक्ति एवं सिद्धि स्थल बन गया है, जो रामराज्य के सुदीर्घ काल के सपने को आकार देने का सशक्त एवं सकारात्मक वातावरण भी बनेगा। श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। ईरान-इजरायल एवं यूक्रे-रूस के बीच चल रहा युद्ध एवं इस परिप्रेक्ष्य में विश्वयुद्ध की संभावनाओं को देखते हुए श्रीराम के जीवन आदर्शों को विश्व व्यापी बनाने की अपेक्षा है, ताकि दुनिया शांति एवं चैन से जी सके। श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मर्यादा का संदेश देता है। आधुनिक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मर्यादा का संकट है- राजनीति में मर्यादा नहीं, समाज में मर्यादा नहीं, परिवार में मर्यादा नहीं मर्यादा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मर्यादा होती है। उन्होंने सामर्थ्य होते हुए भी राज्य के लिये संघर्ष नहीं किया, बल्कि पिता की आज्ञा और समाज की मर्यादा को सर्वोच्च माना। आज यदि विश्व राजनीति में मर्यादा और नैतिकता का समावेश हो जाये, तो अनेक युद्ध स्वत: समाप्त हो सकते हैं। राष्ट्र यदि केवल शक्ति और विस्तारवाद की नीति छोड़कर मर्यादा और न्याय की नीति अपनाएं, तो विश्व शांति संभव हो सकती है। आज दुनिया के अनेक युद्ध चाहे वह रूस-यूक्रेन युद्ध हो, मध्य-पूर्व के संघर्ष हों या अन्य क्षेत्रीय युद्ध-इन सबके मूल में अहंकार, विस्तारवाद, संसाधनों पर अधिकार और वैचारिक वर्चस्व की लड़ाई है। श्रीराम का युद्ध दर्शन इससे बिल्कुल भिन्न था। उन्होंने कभी युद्ध को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि युद्ध उनके लिये अंतिम विकल्प था। उन्होंने पहले संवाद किया, फिर दूत भेजा, फिर समझौते का प्रयास किया और अंत में जब सभी रास्ते बंद हो गये तब युद्ध किया। यह युद्ध नीति आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिये एक आदर्श मॉडल हो सकती है-पहले संवाद, फिर कूटनीति, फिर प्रतिबंध और अंत में युद्ध। आधुनिक विश्व यदि इस क्रम को स्वीकार कर ले, तो युद्धों की संख्या कम हो सकती है। श्रीराम का जीवन सुशासन का भी आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसे आज रामराज्य के रूप में जाना जाता है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक राज्य नहीं, बल्कि न्याय, समानता, सुरक्षा, समृद्धि और नैतिक शासन व्यवस्था है। रामराज्य में राजा और प्रजा के बीच दूरी नहीं थी, शासन उत्तरदायी था, न्याय त्वरित था, समाज में भय नहीं था और आर्थिक असमानता अत्यधिक नहीं थी। आज लोकतंत्र होने के बावजूद जनता और शासन के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, राजनीति सेवा से अधिक सत्ता का माध्यम बनती जा रही है। श्रीराम का शासन हमें बताता है कि शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, सेवा होना चाहिए। आधुनिक लोकतंत्र यदि रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा ले, तो लोकतंत्र अधिक मानवीय और उत्तरदायी बन सकता है। श्रीराम का जीवन पारिवारिक मूल्यों का भी अद्भुत उदाहरण है। आज दुनिया में परिवार टूट रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद समाप्त हो रहा है, रिश्ते स्वार्थ पर आधारित होते जा रहे हैं। श्रीराम ने पुत्र के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, भाई के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, पति के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया और मित्र के रूप में भी आदर्श प्रस्तुत किया। भरत और राम का संबंध त्याग और प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है। आज यदि परिवारों में अधिकार की जगह कर्तव्य और स्वार्थ की जगह त्याग की भावना आ जाये, तो समाज की आधी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं। श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर-वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुन:स्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है।

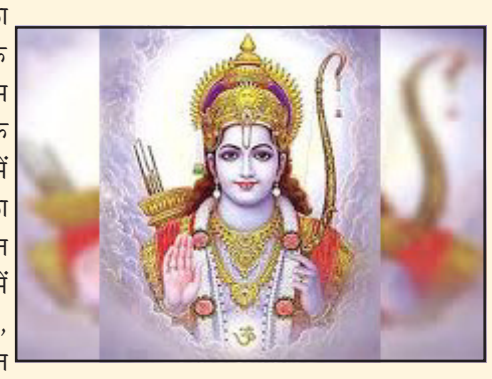

ओषधि स्नान से ग्रहों के दुष्प्रभाव को कम करने में मदद

ग्रहों की स्थिति का आपके जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। अगर यह अनुकूल होते हैं तो आपके जीवन में सब कुछ अच्छा् चलता है। ग्रहों की दशा बदलने पर व्यक्ति को अमीर से गरीब और राजा से रंक बनने में देर नहीं लगती। आज हम आपको बता रहे हैं औषधि स्नाकन के माध्यलम से 9 ग्रहों के दुष्प्रमभाव को कम करने के उपाय--सूर्य के दुष्प्रिभाव को कम करने के लिए

इलाइची, केसर एपवं गुलहठी, लाल रंग के फूल मिश्रित जल द्वारा स्नागन करने से सूर्य के दुष्प्रिभाव कम होते हैं।

चंद्र की पीड़ा के निवारण के लिए -सफेद चंदन, सफेद फूल, सीप, शंख और गुलाब जल मिश्रित पानी से नहाने से आपकी राशि पर चंद्र के दुष्प्रनभाव कम होते हैं। ऐसे दूर कर सकते हैं मंगल की पीड़ा-लाल चंदन, लाल फूल, बेल वृक्ष की छाल, जटामांसी, हींग मिश्रित जल से नहाने से मंगल ग्रह के दुष्प्रिणों को भी कम किया जा सकता है।

बुध की कृपा ऐसे कर सकते हैं प्राप्त। अगर आप चाहते हैं कि आप पर बुध की कृपा दृष्टि बनी रहे तो आपको अपने स्नोन के जल में अक्षत, जायफल, गाय का गोबर मिश्रित करके स्नातन करना होगा।

गुरु के दुष्प्रदभाव ऐसे करें दूर-सफेद सरसों, दमयंती, गूलर और चमेली के फूल मिलाकर स्नामन करने से आप पर गुरु के दुष्प्रिभावों का असर बहुत कम होता है।

शुक्र को ऐसे कर सकते हैं प्रसन्न -शुक्र को आपके वैवाहिक जीवन का कारक माना गया है। शुक्र को खुश रखने से आपका वैवाहिक जीवन सदैव खुशहाल रहता है। इसके लिए बस आपको अपने स्नारन के जल में जायफल, मैनसिल, केसर, इलाइची और मूली के बीज मिलाकर नहाना होगा। ऐसा करने से शुक्र ग्रह के दुष्प्ररभाव दूर हो सकते हैं।

शनि ग्रह के प्रकोप से ऐसे बचें--शनि को न्याहय के देवता का सम्मा्न प्राप्त है। यह व्याक्ति को उसके कर्म के अनुरूप परिणाम देते हैं। अत: हमको अपने कर्म तो दुरुस्तभ रखने ही चाहिए साथ ही कुछ विशेष चीजों को स्नाबन के जल में मिलाकर नहाने से आप शनि के दुष्प्रणभावों से दूर रह सकते हैं। इन चीजों में सरसों, काले तिल, सौंफ, लोबान, सुरमा, काजल आदि शामिल हैं।

राहु की पीड़ा ऐसे कर सकते है दूर--इसके लिए आप स्नाशन औषधि के रूप में लोबान, कस्तूवरी, गजदंत आदि सामग्री से मिश्रित जल से स्ना न करके राहु की पीड़ा को दूर कर सकते हैं।

केतु की पीड़ा ऐसे करें दूर--लाल चंदन और छाग मूत्र मिश्रित जल से स्ना न करके आप केतु के दुष्प्रगभावों को अपने आप खत्मस कर देंगे।

हनुमान जी की तस्वीर पवित्र स्थान पर लगाना शुभ होता है

सनातन धर्म वास्तु और ज्योतिष की मानी जाए तो किसी भी प्रकार की तस्वीर या मूर्ति को घर में रखने से पहले कुछ बातों का जानना बहुत ज़रूरी है ।वास्तु और ज्योतिष के साथ-साथ हिंदू धर्म के पौराणिक ग्रंथों में भी देवी-देवताओं की प्रतिमाएं को रखने से चमत्कारी प्रभाव देती हैं। इसलिए शास्त्रों में इनकी प्रतिमाओं और तस्वीरों को रखने के बहुत से महत्वपूर्ण नियम बताए गए हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में देवी-देवताओं की तस्वीरें लगाने से सभी परेशानियां दूर होती हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है ।हनुमान जी की तस्वीर का महत्व और उससे जुड़े कुछ वास्तु नियम-

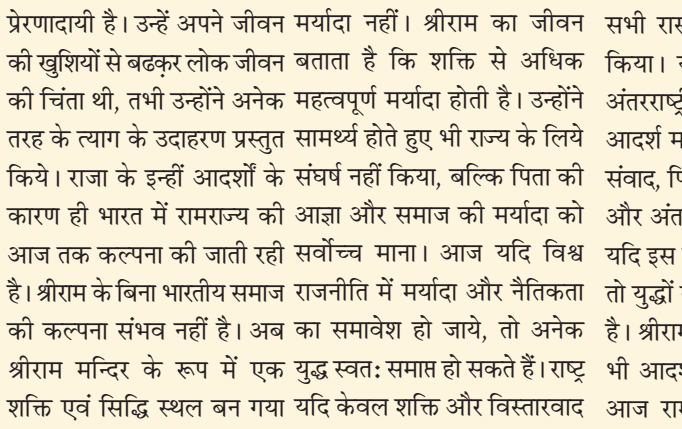

शास्त्रों के अनुसार हनुमान जी बाल ब्रह्मचारी हैं और इसी वजह से उनकी तस्वीर बेडरूम में न रखकर घर के मंदिर में या किसी अन्य पवित्र स्थान पर रखना शुभ रहता है।

वास्तु वैज्ञानिकों के अनुसार हनुमान जी का चित्र दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए लगाना चाहिए क्योंकि हनुमान जी ने अपना प्रभाव अत्यधिक इसी दिशा में दिखाया है जैसे लंका दक्षिण में है, सीता माता की खोज दक्षिण से आरंभ हुई, लंका दहन और राम-रावण का युद्ध भी इसी दिशा में हुआ। दक्षिण दिशा में हनुमान जी विशेष बलशाली हैं।

इसी प्रकार से उत्तर दिशा में हनुमान जी की तस्वीर लगाने पर दक्षिण दिशा से आने वाली हर नकारात्मक शक्ति को हनुमान जी रोक देते हैं। वास्तु अनुसार इससे घर में सुख और समृद्धि का समावेश होता है और दक्षिण दिशा से आने वाली हर बुरी ताकत को हनुमान जी रोक देते हैं।

जिस रूप में हनुमान जी अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हों ऐसी तस्वीर को घर में लगाने से किसी भी तरह की बुरी शक्ति प्रवेश असंभव है।

श्रीराम और तीर्थंकर महावीर के बीच वंश परंपरा का मधुर संबंध

- श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

चैत्र महीने का सीधा संबंध महापुरुषों के जन्मों के साथ जुड़ा हुआ है। चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की नवमी को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव आता है तो जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याणक (जन्म जयंती) भी चैत्र महीने में ही शुक्ल की त्रयोदशी को मनाया जाता है।

इन दो महान व्यक्तित्वों का जन्म चैत्र माह में ही सिर्फ 4 तिथियों के अंतर पर हुआ। हालांकि दोनों के जन्म में हजारों वर्षों का अंतर है। फिर भी दोनों के बीच एक मधुर, गहरा और अद्भुत संबंध है।

भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर हैं। इस महान परंपरा की तीर्थंकर परंपरा के प्रथमेश असि, मसि कृषि व अंक शब्दों के जनक प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ (ऋषभदेव) से हुआ, जो कि पहले तीर्थंकर थे। भगवान आदिनाथ अयोध्या के राजा नाभि के पुत्र के रूप में जन्मे। यानी अयोध्या न केवल श्रीराम की जन्मभूमि रही है, बल्कि जैन परंपरा में भी अत्यंत पवित्र स्थान है, क्योंकि यहां चार अन्य तीर्थंकरों का जन्म भी हुआ अजितनाथ (दूसरे), अभिनंदननाथ (चौथे), सुमतिनाथ (पांचवें) और अनंतनाथ (14वें)।

संयोग से, भगवान आदिनाथ का जन्म भी चैत्र मास में ही हुआ था। हालांकि वह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि थी। उन्होंने सूर्यवंश की इक्ष्वाकु परंपरा की स्थापना की, वही वंश जिसमें कई पीढ़ियों बाद भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। इस सदी के चौबीस तीर्थंकरो में से तीन तीर्थंकरों, वासु पूज्य स्वामी, मुनि सुव्रतनाथ व नेमिनाथ तीर्थंकर को छोड़कर बाकी इक्कीस तीर्थंकर इक्ष्वाकुवंश में उत्पन्न हुए। इस प्रकार, भगवान महावीर की जैन परंपरा और भगवान श्रीराम की वंशावली दोनों की जड़ें भगवान आदिनाथ से जुड़ती हैं।

त्रिशष्टिशलाका पुरुषचरियं, पउम चरियं, पद्मपुराण साहित्यक ग्रंथों में मर्यादा पुरुषोत्तम राम का उल्लेख सम्मिलित है। चौथे आरे के बीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रत स्वामी के समय में श्रीराम का उल्लेख मिलता है। जैन साहित्य अनुसार श्रीराम को बलदेव माना गया है जो कि 63श्लाघ्य पुरुष में आते हैं, तो एक दार्शनिक परंपरा है, दूसरी जैविक। यह संबंध केवल भूगोल, वंश और नामों तक सीमित नहीं है। यह गहराई तक विचार और मूल्य व्यवस्था में रचा-बसा है। चाहे तीर्थंकर हों या श्रीराम, सभी ने धर्म की भावना को जीवन का मूल बनाया। इक्ष्वाकु वंश का नाम ही इक्षु अर्थात गन्ने से लिया गया है। सरयू नदी के तट पर बसे अयोध्यावासी गन्ने की खेती करते थे थे और उसका रस निकालना जानते थे। यह बात तब और स्पष्ट हो जाती है जब हम पाते हैं कि भगवान ऋषभदेव ने अपने पौत्र श्रेयांस कुमार के हाथों हस्तिनापुर शहर में अपने 400 दिवसीय उपवास को अक्षय तृतीया के दिन गन्ने के रस को स्वीकर कर उस कठिन तपस्या का पारणा संपन्न किया।

विस्तृत गहराई से अगर अध्ययन किया जाए तो दोनों महापुरुषों ने सत्य, धर्म व सात्विक जीवन शैली तथा पर पीड़ा नहीं पहुँचाने का प्रयास ही नहीं किया अपितु जनमानस को संदेश भी दिया।

अनेक प्रकार से देखा और समझा जा सकता है कि मूलत: धर्म की आत्मा हमें यह सिखाती है कि मानव जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा है। चाहे वो तीर्थंकर हों या मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम। धर्म वह स्वभाव है जो हर मानव के भीतर प्राकृतिक रूप से निहित है।

तीर्थंकर वर्द्धमान महावीर ने वर्तमान समय में व्यथित व कुंठित जनमानस को संदेश देते हुए कहा कि सर्व प्रथम मन पर नियंत्रण बनाना होगा। मन हमेशा दुख देता है। मन की इच्छाएँ अनंत हैं, वह कभी भी पूर्ण नहीं होता है। अगर एक इच्छा पूरी होगी तो उसके साथ सौ नई इच्छाएँ शुरू हो जाएँगी। ऐसे में सभी इच्छाएँ पूरी होंगी, इसकी कल्पना भी संभव नहीं है। जैसे ही इच्छा अपूर्ण हुई, मन विचलित होगा और दुख देगा। यही दुख और दूसरी इच्छाओं के अपूर्ण होने पर बढ़ता जाएगा। एक समय यह आएगा कि अनंत इच्छाओं की अपूर्णता लिए मन दुखों का अंबार उडेल देगा और पूरा जीवन दुखों के भंवर में उलझ जाएगा। बेहतर यही है कि मन पर नियंत्रण बनाओ और उसके साथ जीवन की इच्छाओं पर भी। अगर हम यह करने में सफल रहे तो गृहस्थ में रहकर भी मुक्ति का मार्ग पकड़ लेंगे। हम अनंत इच्छाओं के समुद्र में रहकर भी शांत और सुखी रहेंगे। सुख कोई वस्तु नहीं है, यह केवल मन की अवस्था है। दुख कोई वस्तु नहीं है, यह भी अवस्था है। मन पर नियंत्रण होगा तो सुख और दुख की अवस्था पर भी नियंत्रण होगा।

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण। मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषत: जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे ब?ना, रूकना और पीछे मु?कर देखना। आगे ब?ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मु?कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवत: पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है-व्यक्ति के भीतर योग अर्थात् आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात् शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जु? इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुन: प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ ब?ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जु?ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थो?ा संयम, थो?ा ध्यान, थो?ा स्वाध्याय, थो?ा त्याग और थो?ा प्रेम जो? ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में ब?ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को 'प्रज्ञापर्व' नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। 'पण्णा समिक्खए' इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है-'चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को ब?ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना।' पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं।

सरस्वती पब्लिक स्कूल परवाना के विद्यार्थियों ने खाटू श्याम मंदिर में टेका माथा, भजनों से गूंजा माहौल

धार्मिक यात्रा के दौरान बच्चों ने की शहर की खुशहाली की कामना, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ने पर जोर

तरावड़ी, 26 मार्च (छाया शर्मा) : सरस्वती पब्लिक स्कूल पखाना के विद्यार्थियों ने तरावड़ी स्थित भव्य खाटू श्याम मंदिर में पहुंचकर श्रद्धा भाव से माथा टेका और धार्मिक वातावरण में भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस दौरान मंदिर परिसर श्रद्धालु बच्चों की भक्ति से सराबोर नजर आया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने भगवान खाटू श्याम के चरणों में नमन करते हुए शहर की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए भजन और कीर्तन ने उपस्थित लोगों को भी भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक डॉ. मुनीष परवेज राणा ने कहा कि विद्यालय की ओर से समय-समय पर इस प्रकार की धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने

बताया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को हमारी संस्कृति, परंपराओं और धरोहरों से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि स्कूल प्रशासन हमेशा इस दिशा में सक्रिय रहता है और भविष्य में भी बच्चों को विभिन्न ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों का भ्रमण करवाकर उन्हें भारतीय संस्कृति की जड़ों से जोड़ने का प्रयास जारी रहेगा। इस धार्मिक यात्रा के दौरान बच्चों में उत्साह देखने को मिला और उन्होंने पूरे अनुशासन के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

मुनाफे का लालच देकर लाखो रुपए ठगने के मामले में 2 आरोपी काबू

पुंडरी, 26 मार्च (जगदीश चन्द्र) : जहां पर जिला पुलिस पुलिस द्वारा आमजन को लगातार साइबर अपराधों से बचाव बारे जागरूक किया जा रहा है। वहीं पर साइबर ठगो पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। ऐसे ही मुनाफे का लालच देकर लाखो रुपए ठगने के मामले में थाना साइबर क्राइम पुलिस द्वारा दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पूंडरी निवासी बृजभूषण की शिकायत अनुसार 12 जनवरी को व्हाट्सएप पर एक अज्ञात व्यक्ति का संदेश आया, जिसमें निवेश कर मुनाफा कमाने का दावा किया गया था। संदेश के साथ एक लिंक भी भेजा गया था।

उसने उस लिंक पर क्लिक कर दिए गए नंबर पर संपर्क किया। ठग ने उसे एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया और वहां उपलब्ध कराए गए लिंक पर अपनी जानकारी भरकर निवेश करने को कहा।

झांसे में आकर उसने अलग-अलग समय में कुल 18.22 लाख रुपये निवेश कर दिए। जब बृजभूषण को ठगी का संदेह हुआ और उसने अपने रुपये वापस निकालने की कोशिश की, तो रकम नहीं निकली। इसके बाद उसने कॉलर करने वाले को कई बार कॉल की, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया।

जिस बारे थाना साइबर क्राइम में मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच थाना साइबर क्राइम प्रभारी पीएसआई शुभ्रांशु की अगुवाई में एएसआई जसबीर सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी पानीपत निवासी सागर सिंगला तथा रमेश कुमार को पानीपत से काबू कर लिया गया। दोनो आरोपियों द्वारा साइबर ठगो को ठगी के लिए बैंक अकाउंट उपलब्ध करवाया गया था। दोनो आरोपियों का न्यायालय से 2 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया है।

आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नरवाना में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

विद्यार्थी जीवन मे परिश्रम व संस्कार जरूरी : चंद्रकांत आर्य

नरवाना, 26 मार्च (नरेन्द्र कुमार) : नरवाना स्थित आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यालय परिसर खुशी और उत्साह से भर उठा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक परंपरा के अनुसार यज्ञ-हवन के साथ हुई, जिसमें विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया ।विद्यालय, जो आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा ,दयानंद मठ, रोहतक द्वारा संचालित है में परीक्षा परिणाम

घोषणा के पश्चात मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संस्कृत प्रवक्ता राजेंद्र ने परीक्षा परिणाम की घोषणा की जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं आर्य समाज के प्रधान चंद्रकांत आर्य ने अभिभावकों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में परिश्रम के साथ-साथ संस्कारों का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज के विद्यालयों में वैदिक पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का भी ज्ञान दिया जाता है जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव होता है ।विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जो विद्यार्थी अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं कर सके उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी है और अपनी कमियों को पहचानकर निरंतर प्रयास करने से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी गई। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

डीसी ने पूंडरी खंड के गांव में जाकर किया डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य का निरीक्षण

पूंडरी, 26 मार्च (जगदीश चन्द्र) : डीसी अपराजिता ने वीरवार को पूंडरी खंड के गांव मुन्नारहेड़ी व मोहना में पहुंचकर रबी फसलों की डिजिटल फॅप सर्वे के तहत चल रहे गिरदावरी के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने पटवारियों द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत की जा रही एंट्री के बारे में आवश्यक जानकारी हासिल की और इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। डीसी अपराजिता ने निरीक्षण के दौरान कई एकड़ पैदल चलकर स्वयं डिजिटल क्रॉप सर्वे में फसल की एंट्री दर्ज की। उन्होंने खेत में खड़ी फसल की फोटों को एप्प पर अपलोड कर एंट्री दर्ज की। डिजिटल सर्वे में किल्ला नंबर को सीजरा से मिलान किया। गिरदावरी के दौरान पटवारियों ने डीसी को अवगत करवाया की एंट्री के दौरान एप्प पर कई बार लोकेशन से संबंधित परेशानी आती है। जिस पर डीसी ने पटवारियों को निर्देश दिए कि खेत के अदंर जाकर फसल की एंट्री करें, जिससे लोकेशन से संबंधित परेशानी कम होगी। जिस एकड़ में खड़ी फसल का सर्वे किया जाना है उसके पास जाकर ही सर्वे करें। डीसी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत की जा रही गिरदावरी के कार्य में तेजी लाएं। पटवारियों से प्रतिदिन सर्वे रिपोर्ट लें। जिस ऐरिया में एंट्री ज्यादा शेष है उन गांवों में अतिरिक्त स्टॉफ लगाकर इस कार्य को पूरा करवाएं। डीसी ने सर्वे के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य को 31 मार्च तक पूरा करवाएं। इस अवसर पर तहसीलदार अंशुल सहित अन्य संबंधित पटवारी मौके पर मौजूद रहे।

दुर्गा सप्तशती केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं,बल्कि जीवन का अमृत कलश : सुदेश शर्मा

कुरुक्षेत्र, 26 मार्च (करणदीप सिंह) : भारतीय संस्कृति में मार्कंडेय पुराण के अंतर्गत वर्णित दुर्गा सप्तशती एक ऐसा दिव्य ग्रंथ है, जिसे युगों-युगों से शक्ति उपासना का आधार माना गया है। अधिकांश लोग इसे केवल अनुष्ठान या पूजा-पाठ की पुस्तक मानते हैं, परंतु सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाए तो यह ग्रंथ हमारे मानसिक, आध्यात्मिक और व्यावहारिक जीवन के लिए अमृत के समान है। शक्ति उपासना का यह मार्ग समर्पण और विश्वास का है। शक्ति राइज ग्लोबल फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा, एडवोकेट सुदेश शर्मा इसका जीवंत उदाहरण हैं। वे बचपन से ही आदिशक्ति माँ दुर्गा की अनन्य उपासिका रही हैं और निरंतर दुर्गा सप्तशती का पाठ करती आ रही हैं। सुदेश का मानना है कि आज समाज सेवा के क्षेत्र में जो शक्ति राइज ग्लोबल फाउंडेशन की स्थापना हुई है और जिस गति से यह संस्था महिला सशक्तिकरण के कार्य कर रही है, वह माता रानी की ही साक्षात कृपा और आशीर्वाद का प्रतिफल है। दुर्गा सप्तशती के 700 श्लोक मात्र शब्द नहीं, बल्कि वे ऊर्जा पुंज हैं जो मनुष्य के भीतर छिपे महिषासुर रूपी आलस्य और

शुंभ-निशुंभ रूपी अहंकार का दमन करने की प्रेरणा देते हैं। यह ग्रंथ हमें सिखाता है कि जब समाज या व्यक्ति के जीवन में नकारात्मकता बढ़ने लगे, तब संगठित शक्ति और दृढ़ संकल्प से ही विजय प्राप्त की जा सकती है। आज के तनावपूर्ण युग में, सप्तशती के मंत्रों का उच्चारण मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान करता है। इसमें वर्णित कवच व्यक्ति के चारों ओर एक सकारात्मक सुरक्षा चक्र का निर्माण करते हैं, जो आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। यह ग्रंथ नारी शक्ति की सर्वोच्चता का उद्घोष है, जो दर्शाता है कि सृजन और संहार दोनों की शक्ति नारी तत्व में समाहित है ।सप्तशती का पाठ केवल परलोक सुधारने के लिए नहीं, बल्कि इसी लोक में सुख और शांति प्राप्ति का मार्ग है। ऋषि मेधा ने राजा सुरथ और समाधि वैश्य को इसी ज्ञान के माध्यम से खोई हुई मानसिक शांति और वैभव पुन: प्राप्त करने की राह दिखाई थी।

शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे। सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणि नमोस्तु ते॥ माँ दुर्गा शरणागतों की रक्षा करने वाली और सभी के कष्टों को हरने वाली हैं। अत: इस पावन ग्रंथ को अपने जीवन का हिस्सा बनाना, स्वयं को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने जैसा है। हमें सप्तशती के इस अमृत का पान कर और अपने जीवन को ऊर्जावान व कल्याणकारी बनाएँ।

प्रदेश में बारदाने की कमी नहीं : राजेश नागर

इंद्री, 26 मार्च (बिशपाल राणा) : हरियाणा के खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर ने बुधवार को इंद्री अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आढ़तियों व किसानों के साथ बैठक कर उनसे बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आढ़तियों व किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरान्त पत्रकारों से बात करते हुए हरियाणा के खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री श्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश में बारदाना उपलब्ध है। किसी वजह से पुराना टेंडर रद्द हो गया था परन्तु जल्द नया टेंडर लगाया जाएगा।

मंडियों में बारदाने कि कमी नहीं आएगी।

आढ़तियों के ज्ञापन संबंधी प्रश्न के जवाब में मंत्री ने कहा कि आढ़तियों की मांग को सरकार के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि इंद्री मंडी 4 नंबर गेट की सड़क के लिए जल्द टेंडर लगाकर बनवाई जाएगी। धान घोटाले पर उन्होंने कहा कि जांच की जा रही है, जांच में जो भी अधिकारी कसूरवार पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर डीएफएससी मुकेश कुमार, इंद्री मार्केट कमेटी के चेयरमैन महिंद्र पंजोखरा सहित आढ़ती व किसान मौजूद रहे।

गुणवत्ता और महक से तरावड़ी की बासमती ने जीता दुनिया का दिल : विजय सिंगला

बोले : विदेशी मेहमान भी तरावड़ी के बासमती चावलों के दीवाने

तरावड़ी, 26 मार्च (छाया शर्मा) : श्रीराम एग्रोटैक के मैनेजिंग डायरेक्टर साधुराम सिंगला व विजय सिंगला ने कहा कि तरावड़ी शहर बासमती चावलों के नाम से देश-विदेश में अपनी खास पहचान रखता है। तरावड़ी की धरती पर उपजने वाले बासमती चावलों की खुशबू और गुणवत्ता ने न सिर्फ भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी तरावड़ी का नाम ऊंचा किया है। उन्होंने कहा कि आज जब भी देश और विदेश में बासमती चावल का जिक्र होता है तो सबसे पहले तरावड़ी का नाम सामने आता है।

यहां के चावलों ने तरावड़ी शहर को विश्व मानचित्र पर चमकाया है। विदेशी मेहमान भी तरावड़ी के बासमती चावलों की खुशबू और स्वाद से बेहद प्रभावित होते हैं और यही वजह है कि तरावड़ी का चावल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर अपनी छाप छोड़ रहा है। श्रीराम एग्रोटैक के मैनेजिंग डायरेक्टर साधुराम सिंगला व विजय सिंगला तरावड़ी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। सिंगला ने कहा कि तरावड़ी शहर की यह पहचान हम सभी के लिए गर्व का विषय है और भविष्य में भी तरावड़ी के बासमती चावल अपनी गुणवत्ता और सुगंध से दुनिया भर में अपना परचम लहराते रहेंगे। उन्होंने कहा कि तरावड़ी की मंडियों में हर साल लाखों क्विंटल बासमती चावल का कारोबार होता है। यहां के किसानों की मेहनत और आधुनिक मिलों की तकनीक ने मिलकर तरावड़ी के चावल को एक अलग पहचान दिलाई है। चावलों की यही गुणवत्ता तरावड़ी को विश्वस्तर पर प्रतिष्ठा दिलाती है। विजय सिंगला ने कहा कि तरावड़ी शहर की अर्थव्यवस्था में बासमती व्यापार की अहम भूमिका है। यहां से निर्यात होकर जाने वाला चावल न सिर्फ विदेशी मुद्रा अर्जित करता है बल्कि हजारों परिवारों के रोजगार का सहारा भी है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में तरावड़ी का नाम और भी बुलंदियों पर पहुंचेगा और यह शहर बासमती चावलों की दुनिया में अपनी बादशाहत बनाए रखेगा।

डीएवी पब्लिक स्कूल नरवाना में 79 कुंडीय वैदिक हवन यज्ञ व भजन संध्या का भव्य आयोजन

प्रधान डॉ. पूनम सूरी के जन्मदिवस पर सामाजिक व आध्यात्मिक संदेश के साथ मनाया गया उत्सव

नरवाना, 26 मार्च (नरेन्द्र कुमार) : डीएवी पब्लिक स्कूल नरवाना के वसंत विहार परिसर में विद्यालय की प्रधान डॉ. पूनम सूरी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 79 कुंडीय वैदिक हवन यज्ञ एवं भव्य भजन संध्या का आयोजन श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4 बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ जिसमें पूरे परिसर का वातावरण आध्यात्मिक हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. गजेंद्र कुमार शर्मा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध लोक गायक संदीप साहिल शर्मा, आरोही स्कूल के वाइस प्रिंसिपल सुनील दत्त आर्य, जय भगवान, रामपाल सिहाग, धर्मवीर, राकेश डांडा, वीरेंद्र, साहिल संदीप शर्मा तथा देशराज सेवानिवृत्त प्रबंधक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे ।भजन संध्या के दौरान संदीप साहिल शर्मा, कक्षा छठी की छात्रा अश्विका, सुनील दत्त शास्त्री, अध्यापिका अंग्रेज नैन, तृप्ति आर्या, रेनू धीमान एवं सहायक रामनिवास ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुतियों के माध्यम से डॉ. पूनम सूरी के आर्य समाज के प्रति समर्पण एवं योगदान को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया जिससे उपस्थित जनसमूह प्रेरित हुआ ।इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण भी किया गया जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा ।कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों एवं स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे आयोजन का उद्देश्य जन्मदिवस को एक प्रेरणादायक पर्व के रूप में मनाते हुए समाज को सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश देना रहा ।अंत में प्राचार्य डॉ. गजेंद्र कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा हवन यज्ञ के सफल आयोजन के लिए अध्यापिका रेनू बाला, राजेश शास्त्री, मनजीत कुमार सहित समस्त स्टाफ को बधाई दी।

युवाओं को अपने जीवन में कौशल और प्रतिभा का सही मूल्यांकन करना ही महत्वपूर्ण निर्णय : आशीष कुमार

समग्र शिक्षा के अंतर्गत 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए जिला स्तरीय करियर मार्गदर्शन कार्यशाला का हुआ समापन

कुरुक्षेत्र, 26 मार्च (करणदीप सिंह) : नगराधीश आशीष कुमार ने कहा कि युवाओं को अपने जीवन में कौशल और प्रतिभा का सही मूल्यांकन करना ही अहम निर्णय होता है। हमें यह समझना चाहिए कि हम किस कार्य में अच्छे हैं। इसके लिए हम अपने शिक्षकों, माता-पिता या करियर काउंसलर की सलाह ले सकते हैं।

इतना ही नहीं जीवन में सही करियर का चयन सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक होता है। यह केवल आजीविका का साधन ही नहीं, बल्कि हमारे व्यक्तित्व, संतुष्टि और भविष्य को भी प्रभावित करता है। इसलिए करियर चुनते समय जल्दबाजी या दूसरों के दबाव में निर्णय लेने के बजाय सोच-समझकर कदम उठाना आवश्यक है।

नगराधीश आशीष कुमार गत देर सायं जिमखाना क्लब में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकूला के तत्वावधान में समग्र शिक्षा के अंतर्गत जिला कुरुक्षेत्र में 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए जिला स्तरीय करियर मार्गदर्शन कार्यशाला करियर कंपास आफ्टर क्लास 10वीं विषय पर आधारित यह कार्यशाला के समापन अवसर पर बोल रहे थे।

नगराधीश आशीष कुमार ने कहा कि सबसे पहले, हमें अपनी रुचियों और क्षमताओं को पहचानना चाहिए। हर व्यक्ति की पसंद और योग्यता अलग होती है, किसी को गणित में रुचि होती है, तो किसी को कला या खेल में। यदि हम अपनी पसंद के क्षेत्र में काम करते हैं, तो उसमें सफलता मिलने की संभावना अधिक होती है और काम करने में आनंद भी आता है। इसलिए अपने शौक और समय की जरूरतों के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। हमें यह याद रखना चाहिए कि करियर एक यात्रा है, जिसमें समय के साथ बदलाव संभव है। यदि शुरुआत में सही निर्णय नहीं भी हो पाए, तो मेहनत और लगन से हम अपने रास्ते को सुधार सकते हैं। आज इस कार्यशाला का मकसद यही है कि आप अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी जानकारी लें और अपना बेहतरीन कैरियर बनाएं। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत और अनुशासन के माध्यम से आप अपने करियर को एक ऊंची उड़ान दे सकते हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि वह अपनी रुचि के अनुसार अपने करियर का चुनाव करें।

इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को विज्ञान, वाणिज्य और कला संकाय सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही आईटीआई, पॉलिटेक्निक, स्किल डेवलपमेंट कोर्सेज और अन्य व्यावसायिक विकल्पों के बारे में भी जागरूक किया गया, ताकि विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार सही निर्णय ले सकें।

गेहूं खरीद के प्रबंधों में कोताही व लापरवाही बरतने वाले अधिकारी-कर्मचारी पर होगी कार्रवाई : राजेश नागर

खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर ने लाडवा की अनाज मंडी का किया निरीक्षण, प्रदेश में गेहूं की सरकारी खरीद आगामी 1 अप्रैल से होगी आरंभ

लाडवा, 26 मार्च (राम गोपाल) : हरियाणा के खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर ने कहा कि किसानों व आढ़तियों को लेकर हरियाणा सरकार पूरी तरह से गंभीर हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद के पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही किसानों के लिए भी उचित व्यवस्थाएं मुहैया करवाने को कहा गया है। इन आदेशों में किसी भी प्रकार की कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारी-कर्मचारी पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। हरियाणा के खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर बुधवार को लाडवा की अनाज मंडी का निरीक्षण कर रहे थे। राज्यमंत्री राजेश नागर ने अनाज मंडी की गेहूं खरीद की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही आढ़तियों व किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। राज्यमंत्री राजेश नागर को अनाज मंडी में पहुंचने पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। हरियाणा के खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में गेहूं की सरकारी खरीद आगामी 1 अप्रैल से आरंभ होगी। प्रदेश में गेहूं की खरीद सुचारू रूप से करने के लिए 416 मंडियां व

खरीद केंद्र खोले गए हैं। इन मंडियों व खरीद केंद्रों पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हैफेड, हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन तथा खाद्य निगम द्वारा गेहूं की खरीद का कार्य किया जाएगा। हरियाणा के खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खाद्यान्नों की खरीद प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़ करने हेतु वर्तमान में कार्यरत ई-खरीद पोर्टल को अपग्रेड किया गया है जिसके अंतर्गत कई नए प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि रबी खरीद सीजन 2026-27 के दौरान मंडियों व खरीद केंद्रों में किसान द्वारा बिक्री हेतु ले जाने वाली गेहूं में प्रयोग किये जाने वाले वाहन पर आवक गेट की रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ फोटो कैप्चर किया जाएगा। वाहनों के बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के आवक गेट पास जारी नहीं किया जाएगा। हरियाणा के खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर ने कहा कि मंडियों व खरीद केंद्रों को जियो फैंस किया गया है जिसके अंतर्गत खरीद प्रक्रिया के सभी चरण जैसे कि आवक गेट पास, बोली, आई-फार्म, इत्यादि मंडी व खरीद केंद्र स्थल पर ही जारी होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के किसानों के हितों के हितों के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है। किसानों को अपनी उपज की बिक्री में राज्य सरकार किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देगी। राज्य मंत्री राजेश नागर ने पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि पिहोवा में धान के मामले की हेड ऑफिस में जांच की जा रही है, जांच में जो भी अधिकारी कसूरवार पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त, डी एफ एस सी नरेश कुमार, मार्केट कमेटी सचिव संत कुमार, इंस्पेक्टर अंकुर, मंडी प्रधान राजीव आर्य, प्रमोद धवन, रामधारी बूरा, दीपक सिंगला, अशोक गर्ग सहित अन्य मौजूद रहे।

समय से पहले जन्मी बच्ची को मिली नई जिंदगी

अमृतसर 26 मार्च (मधु राजपूत) शेल्बी की नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) टीम ने मात्र 29 सप्ताह के गर्भकाल में जन्मी और मात्र 850 ग्राम वजन की प्रीमेच्योर बच्ची का सफलतापूर्वक इलाज किया। एनआईसीयू टीम का नेतृत्व करने वाले डॉ. अमित नागपाल ने बताया कि मां, जो सात महीने की गर्भवती थी और जिसके तीन गर्भपात हो चुके थे, को गंभीर प्रीक्लेम्पसिया के साथ भर्ती कराया गया था। प्रीक्लेम्पसिया एक जानलेवा स्थिति है जिसमें रक्तचाप खतरनाक रूप से उच्च हो जाता है, जिससे मां और बच्चे दोनों को गंभीर खतरा होता है। उन्होंने बताया कि अनियंत्रित उच्च रक्तचाप के कारण, चिकित्सा टीम ने दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन लोअर सेगमेंट सीजेरियन सेक्शन (एलएससीएस) किया। जन्म के समय, नवजात शिशु को गंभीर श्वसन संकट हुआ और उसे तुरंत एनआईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। उसे निरंतर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव (सीपीएपी) सहायता पर रखा गया और समय से पहले जन्म और अत्यंत कम जन्म वजन (ईएलबीडब्ल्यू) के लिए स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार उसका प्रबंधन किया गया। डॉ. नागपाल ने आगे बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान शिशु को कई जटिलताओं का सामना करना पड़ा, जिनमें समय से पहले जन्म के कारण सांस लेने में तकलीफ, लगातार श्वसन संबंधी समस्याएं, सेप्टीसीमिया, भोजन पचाने में कठिनाई और नवजात पीलिया शामिल हैं। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बलवीन कौर घई ने कहा, इलाज के दौरान बच्ची की हालत में धीरे-धीरे सुधार हुआ। पोषण संबंधी सहायता ट्यूब फीडिंग के माध्यम से शुरू की गई, फिर चम्मच से खिलाना शुरू किया गया और अंतत: सीधे स्तनपान कराया गया। एनआईसीयू में 8 सप्ताह के गहन उपचार और लगातार वजन बढ़ने के बाद, बच्ची को स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

कोकिलाबेन सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों की सूची में शामिल

जबलपुर, 26 मार्च (निस) : स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की एक शानदार मिसाल पेश करते हुए, मुंबई के कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल एवं मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने न्यूज़वीक और स्टेटिस्टा की प्रतिष्ठित वर्ल्ड्स बेस्ट हॉस्पिटल्स 2026 की सूची में एक बार फिर अपना स्थान बनाया है। इस बड़ी उपलब्धि के साथ, यह अस्पताल लगातार सातवें वर्ष दुनिया के सबसे अच्छे मेडिकल सेंटर्स की लिस्ट में शामिल हुआ है। न्यूज़वीक और स्टेटिस्टा ने दुनिया के 32 देशों के 2 हजार 500 से ज़्यादा अस्पतालों की जाँच की। इसमें कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल को भारत के सबसे बेहतरीन अस्पतालों में गिना गया है।

गैस की कमी से जूझते छोटे व्यवसाय चाय की दुकानों से लेकर हलवाई और ढाबा संचालक फिर लौटे कोयला-लकड़ी की भट्टियों पर

छछरौली, 26 मार्च (दिनेश कुमार) : जिले में रसोई गैस की लगातार हो रही कमी ने छोटे व्यवसायों को गहरी परेशानी में डाल दिया है। चाय की दुकानों से लेकर हलवाई और ढाबा संचालक तक इस संकट से बुरी तरह प्रभावित हैं। गैस सिलेंडर की आपूर्ति में अनियमितता और बढ़ती कीमतों के कारण अब कई कारोबारियों को मजबूरन कोयला और लकड़ी की भट्टियों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे न केवल उनका कामकाज प्रभावित हो रहा है, बल्कि स्वास्थ्य और पर्यावरण पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ रहा है। स्थानीय बाजारों में सुबह-सुबह खुलने वाली चाय की दुकानों पर इस संकट का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल रहा है। चाय विक्रेताओं का कहना है कि गैस के बिना उनका काम ठप हो जाता है, क्योंकि दिनभर में कई बार चाय बनानी पड़ती है। एक चाय विक्रेता ने बताया कि पहले वह एक सिलेंडर से कई दिन तक काम चला लेते थे, लेकिन अब गैस की आपूर्ति समय पर नहीं हो रही है। मजबूरी में उन्होंने लकड़ी की भट्टी लगाई है, जिससे धुआं अधिक होता है और ग्राहकों को भी असुविधा होती है। इसी तरह मिठाई बनाने वाले हलवाई भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। त्योहारों और शादी-ब्याह के सीजन में उनकी मांग बढ़ जाती है, लेकिन गैस की कमी के चलते उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कई हलवाई अब पुराने तरीके अपनाते हुए कोयले की भट्टियों पर मिठाई बना रहे हैं। उनका कहना है कि कोयले पर काम करना समय लेने वाला है और इससे लागत भी बढ़ती है, क्योंकि कोयला और लकड़ी भी अब सस्ते नहीं रहे। ढाबा संचालकों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। सड़कों के किनारे चलने वाले छोटे ढाबों में रोजाना बड़ी संख्या में ग्राहक भोजन करने आते हैं। गैस की कमी के कारण उन्हें समय पर खाना तैयार करने में दिक्कत हो रही है। एक ढाबा मालिक ने बताया कि गैस सिलेंडर समय पर नहीं मिलने से उन्हें लकड़ी का सहारा लेना पड़ा है, जिससे खाना बनाने में ज्यादा समय लगता है और ग्राहकों को इंतजार करना पड़ता है। इससे उनके कारोबार पर भी असर पड़ा है। व्यापारियों का कहना है कि

गैस एजेंसियों से संपर्क करने पर भी संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। कई बार बुकिंग के बाद भी सिलेंडर समय पर नहीं पहुंचता। वहीं, खुले बाजार में गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे छोटे कारोबारियों की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो रही है। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि आपूर्ति में गड़बड़ी के कारण कालाबाजारी भी बढ़ रही है, जिससे उन्हें और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या का असर केवल कारोबारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि आम लोगों पर भी पड़ रहा है। ढाबों और चाय की दुकानों पर सेवा धीमी होने से ग्राहकों को इंतजार करना पड़ता है। साथ ही, लकड़ी और कोयले के इस्तेमाल से निकलने वाला धुआं आसपास के वातावरण को प्रदूषित कर रहा है। इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो दिनभर इन भट्टियों के पास काम करते हैं। लोगों का मानना है कि गैस आपूर्ति की इस समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया तो इसका असर व्यापक स्तर पर देखने को मिल सकता है। छोटे व्यवसाय देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, और उनकी परेशानी सीधे तौर पर स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। सरकार और संबंधित विभागों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है, ताकि गैस की आपूर्ति सुचारू रूप से हो सके।

चाय की दुकानों, हलवाइयों और ढाबा संचालकों के लिए यह समय काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। गैस की कमी ने उन्हें पुराने तरीकों पर लौटने के लिए मजबूर कर दिया है, जिससे उनकी मेहनत और लागत दोनों बढ़ गई हैं।

मयूर विहार में गैस एजेंसी के अंदर घुसे गुस्साए लोग पुलिस बुलाकर एंजेसी करनी पड़ी बंद

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस) : मयूर विहार फेज-2 में एक गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने आए ग्राहकों और कर्मचारियों के बीच कहासुनी के बाद हंगामा हो गया। धक्का-मुक्की में एक महिला कर्मचारी घायल हो गई, जिसके बाद एजेंसी बंद करनी पड़ी। हंगामे के दौरान धक्का-मुक्की में एजेंसी की एक महिला कर्मचारी के पैर में चोट लग गई। हालात बिगड़ते देख एजेंसी प्रबंधन ने तत्काल शटर गिराकर एजेंसी को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। घटना की सूचना फैलते ही आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए, पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत करवाया। इसके बाद एजेंसी को फिर से खोल दिया गया। लोगों ने कहा कि गैस लेने के लिए लोगों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबी कतारें और अव्यवस्था के कारण ऐसे विवाद पैदा हो रहे हैं। सरकार को व्यवस्था में सुधार करना चाहिए, ताकि आम लोगों को इस तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

स्नेहा वर्मा ने शिव तांडव से मनवाया लोहा, 12 साल की तपस्या लाई रंग

कलायत, 26 मार्च (सूबे सिंह मोर) : हरियाणा की माटी की बेटियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि हौसला बुलंद हो, तो कोई भी मुकाम हासिल करना नामुमकिन नहीं है। कस्बे की 19 वर्षीय स्नेहा वर्मा आज अपनी अद्भुत नृत्य कला %शिव तांडव% के जरिए न केवल प्रदेश, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियों में हैं। हाल ही में कैथल में आयोजित एक प्रतियोगिता में स्नेहा ने भगवान शिव के रौद्र रूप में ऐसी प्रस्तुति दी कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। नवरात्रि के पावन पर्व पर नारी शक्ति का यह रूप क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। स्नेहा जब मंच पर उतरती हैं, तो उनके हाव-भाव और ऊर्जा को देख यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि प्रदर्शन करने वाली कोई युवती है। पुरुष प्रधान माने जाने वाले इस कठिन अभिनय को स्नेहा ने अपने आत्मविश्वास और कड़े परिश्रम से पार कर समाज के सामने एक नई मिसाल पेश की है।

इंडो-नेपाल चैंपियनशिप में जीता सिल्वर, फिल्मों में भी बिखेरा जलवा

गवर्नमेंट कपिल मुनि महिला कॉलेज में बीए अंतिम वर्ष की छात्रा स्नेहा वर्मा का पिछले 12 वर्षों का सफर उपलब्धियों की सुनहरी दास्तां है। उन्होंने अब तक 25 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम किए हैं। वर्ष 2024 में नेपाल के पोखरा में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल डांस कॉम्पिटिशन में सिल्वर मेडल जीतकर उन्होंने तिरंगे का मान बढ़ाया। स्नेहा केवल नृत्य तक सीमित नहीं हैं; उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत फिल्म %दादा लखमी और धार्मिक फिल्म मां बनभोरी में भी अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। उनकी इन प्रतिभाओं को देखते हुए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा उन्हें नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जा चुका है।

हुनर के साथ सेवा : 5 साल से सैकड़ों बच्चों को दे रहीं निशुल्क नृत्य शिक्षा

स्नेहा की विशेषता केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भी बखूबी निभा रही हैं। कला की व्यावसायिकता के दौर में स्नेहा पिछले 5 वर्षों से क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों को बिना किसी शुल्क के नृत्य की बारीकियां सिखा रही हैं। उनका लक्ष्य है कि आर्थिक अभाव में किसी बच्चे का हुनर दबने न पाए। उनकी इसी निस्वार्थ सेवा और सामाजिक सरोकार को देखते हुए हरियाणा सरकार द्वारा इसी वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। स्नेहा की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे कलायत क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बनी हुई है।

डीसी अपराजिता ने पूंडरी में निर्माणाधीन तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

पूंडरी, 26 मार्च (जगदीश चन्द्र) : डीसी अपराजिता ने ब्लॉक पूंडरी में निर्माणाधीन तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की बारीकी से जानकारी ली। डीसी ने संबंधित अधिकारियों व एजेंसी को इस निर्माण कार्य को तय समय सीमा मे पूरा करने के निर्देश दिए। संबंधित एजेंसी ने डीसी को अवगत करवाया कि इस तहसील निमार्ण कार्य को जल्द पूरा किया जाएगा। डीसी ने निर्माणाधीन तहसील कार्यालय में बन रहे कमरों, कोर्ट रूम, सीएससी सेंटर, कॉमन रूम, पटवार भवन का एक-एक कर अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इस तहसील कार्यालय के निर्माण से आमजन को सीधा लाभ मिलेगा।

आमजन की राजस्व विभाग से संबंधित कार्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। वहीं नवनिर्मित तहसील कार्यालय से अधिकारियों व कर्मचारियों को एक वातानुकूलित वातावरण प्राप्त होगा। कर्मचारियों को विभागीय कार्य करने में कोई परेशानी नहीं होगी। डीसी ने तहसील कार्यालय के प्रथम तल पर बन रहे तहसीलदार व नायब तहसीलदार कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व रिकार्ड के लिए इस भवन में समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। डीसी ने तहसील कार्यालय में लिफ्ट, सर्वेर रूम, डाटा सेंटर, वीसी रूम तथा शौचालयों की नक्शे के माध्यम से भी जानकारी हासिल की।

एक ही दिन मनाई गई अष्टमी और नवमी भक्तों ने कन्याओं को कराया भोजन : लिया आशीर्वाद

यमुनानगर, 26 मार्च (दिनेश कुमार) : नवरात्रों की पावन श्रृंखला का समापन इस वर्ष विशेष संयोग के साथ हुआ, जब अष्टमी और नवमी एक ही दिन मनाई गईं। इस अवसर पर भक्तों में विशेष उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली। जिन श्रद्धालुओं ने पूरे नौ दिनों तक मां भगवती के व्रत रखे थे, उन्होंने अष्टमी के उपलक्ष्य में कन्या पूजन (कंचका जमाई) कर विधिवत अपने व्रत का समापन किया। सुबह से ही मंदिरों और घरों में पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया था। भक्तों ने स्नान आदि से निवृत्त होकर मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा की और विशेष रूप से कन्या पूजन की तैयारी में जुट गए। कन्या पूजन को हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसमें छोटी बालिकाओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी पूजा की जाती है। इस दिन लोगों ने अपने घरों में 9 या 7 कन्याओं को आमंत्रित किया और उन्हें आदरपूर्वक आसन पर बैठाकर उनके चरण धोए। इसके बाद माथे पर तिलक लगाया गया और चुनरी ओढ़ाकर उनका सम्मान किया गया। कन्याओं को पूड़ी, काले चने और हलवा का प्रसाद खिलाया गया, जिसे 'कंचका जमाना' कहा जाता है। इसके साथ ही उन्हें उपहार स्वरूप दक्षिणा, वस्त्र या अन्य भेंट देकर आशीर्वाद लिया गया। इस बार अष्टमी और नवमी एक साथ पड़ने के कारण श्रद्धालुओं में थोड़ी असमंजस की स्थिति भी बनी रही, लेकिन ज्योतिषाचार्यों और पंडितों के अनुसार यह संयोग शुभ माना गया। उन्होंने

बताया कि दोनों तिथियों का पूजन एक ही दिन करने से भी पूर्ण फल की प्राप्ति होती है और मां भगवती की कृपा बनी रहती है। शहर के विभिन्न मंदिरों में भी विशेष आयोजन किए गए। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और भक्तों की भीड़ सुबह से ही दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन और जागरण का भी आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव से भाग लिया। व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन के बाद अपने व्रत का पारण किया। पूरे नौ दिनों तक नियम और संयम का पालन करने के बाद इस दिन विशेष प्रसाद ग्रहण कर उन्होंने मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया। कई घरों में इस अवसर पर परिवार के सभी सदस्य एकत्रित हुए और मिलकर पूजा संपन्न की। महिलाओं और बच्चों में इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। छोटे-छोटे बच्चों को कन्या पूजन के लिए सजाया गया और उन्हें देवी का स्वरूप मानकर पूजा गया।

इससे न केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन हुआ, बल्कि समाज में नारी सम्मान का संदेश भी प्रसारित हुआ। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रों के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति आती है। अष्टमी और नवमी का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इन दिनों मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है।

इस वर्ष एक ही दिन अष्टमी और नवमी का संयोग होने के कारण श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान के साथ दोनों तिथियों का पूजन संपन्न किया। इससे यह पर्व और भी विशेष बन गया। भक्तों ने मां भगवती से अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। नवरात्रों के समापन के साथ ही भक्तों के मन में एक ओर जहां भक्ति और संतोष का भाव था, वहीं मां के विदा होने का भावुक क्षण भी देखने को मिला। लोगों ने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि वे सदैव अपने भक्तों पर कृपा बनाए रखें और जीवन के हर संकट से उनकी रक्षा करें।

पटेल नगर नरवाना में हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य संकीर्तन व विशाल भंडारे का आयोजन 2 अप्रैल को

नरवाना, 26 मार्च (नरेन्द्र कुमार): नरवाना के पटेल नगर में इस वर्ष हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। माँ बनभौरी सेवा मंडल द्वारा 2 अप्रैल को तीसरा विशाल सालासर महाराज व खाटू श्याम संकीर्तन एवं भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, जिसे लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। मंडल के प्रधान दिनेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ ज्योत प्रज्वलन से होगा। यह पावन कार्य बाबा गैबी साहब के महंत अजय गिरी महाराज और पीपल नाथ डेरे के महंत जागनाथ महाराज के करकमलों द्वारा संपन्न किया जाएगा। वहीं माँ भ्रामरी देवी मंदिर बनभौरी धाम से पुजारी पुलकित कौशिक विशेष रूप से उपस्थित होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देंगे। उप-प्रधान मीन्की चोपड़ा ने बताया कि इस भव्य संकीर्तन में प्रसिद्ध भजन गायक बब्बू चावला, करण चावला कुरुक्षेत्र , दीपक नरवाना और राजफुल कुचराना अपनी मधुर वाणी से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। इसके साथ ही आकाश आर्ट ग्रुप द्वारा आकर्षक और भव्य झांकियों की प्रस्तुति दी जाएगी जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

कार्यक्रम को लेकर पटेल नगर के निवासियों और मंडल के सदस्यों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजकों का कहना है कि संकीर्तन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के प्रसाद ग्रहण करने की व्यवस्था की गई है।इस अवसर पर लवली सपड़ा, कृष्ण मित्तल, मन्नु बठला, सोनु बठला, राजीव वर्मा, कमल गर्ग, विक्रम, चरणजीत अरोड़ा, यशपाल गुप्ता, डॉ. सुशील कौशिक, अरुण दुरेजा और राजेश वर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

88 लाख का झूमर, 95 लाख के पर्दे

नई दिल्ली, 26 मार्च (निस) : प्रवेश वर्मा ने बताया कि अरविंद केजरीवाल जी ने यह सोचकर शीशमहल बनवाया था कि जीवन में मुझे कोई चुनाव नहीं हरा पाएगा। जिस लोकेशन का चयन उन्होंने किया, वहां पर तीन टाइप 5 के हेरिटेज बंगले थे। वहां पर छह गैराज, 10 टाइप वन, टाइप टू के क्वार्टर और बहुत सारे पेड़ भी थे।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब , सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड , पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985

बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में पीटीएम में एलकेजी से दूसरी कक्षा तक के परिणाम घोषित

बरनाला, 26 मार्च (कपिल गर्ग) बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में एलकेजी से कक्षा दूसरी तक के विद्यार्थियों के लिए पेरेंट-टीचर मीटिंग (क्ज्ञरू) का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान वार्षिक परिणाम घोषित कर विद्यार्थियों को अगले सत्र के लिए प्रोन्नत किया गया। अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिक्षकों ने व्यक्तिगत फीडबैक देकर सुधार के क्षेत्रों पर भी मार्गदर्शन किया। विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती गीता अरोड़ा जी, श्री निखिल अरोड़ा जी एवं श्रीमती नेहुल अरोड़ा जीने भी अपने संदेश में विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम और सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के अध्ययन के साथ साथ उनके भावनात्मक एवं नैतिक विकास पर भी ध्यान दें। चेयरमैन प्रमोद अरोड़ा ने कहा कि अभिभावक और शिक्षक मिलकर ही विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रिंसिपल मनिंदरजीत कौर धालीवाल ने अभिभावकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यह पीटीएम सकारात्मक संवाद का एक प्रभावी मंच साबित हुई।

मुख्यमंत्री की विकास रैली का आयोजन होगा ऐतिहासिक : रामकुमार गौतम

सफीदों, 26 मार्च (एस. के. मित्तल) : विधायक रामकुमार गौतम ने कहा कि आगामी 4 अप्रैल को सफीदों की नई अनाज मंडी में आयोजित होने वाली मुख्यमंत्री की विकास रैली क्षेत्र के विकास के लिए एक नई दिशा तय करेगी। उन्होंने बताया कि इस रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और क्षेत्र को करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि यह रैली ऐतिहासिक होगी और विकास के नए आयाम स्थापित करेगी। विधायक रामकुमार गौतम बुधवार को अपने जनसम्पर्क कार्यक्रम के दौरान विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों अमरावली खेड़ा, भुरान, पिल्लू खेड़ा, धड़ौली, भडताना, लुदाना, भम्भेवा, मालसरी और मोरखी सहित लगभग 10 गांवों में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और मांग पत्र एकत्रित किए। साथ ही उन्होंने सभी गांव वासियों को 4 अप्रैल को सफीदों में आयोजित विकास रैली में पहुंचने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों के सहयोग और सामूहिक प्रयासों से यह रैली निश्चित रूप से ऐतिहासिक बनेगी और विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। सरकार का उद्देश्य हर गांव की जनहित से जुड़ी मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना है, ताकि समग्र और संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके। विधायक रामकुमार गौतम ने कार्यकर्ताओं, पंचों, सरपंचों और अन्य जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की प्रमुख समस्याओं और आवश्यकताओं की एक व्यवस्थित सूची तैयार करें। यह सूची रैली के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी, ताकि क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप योजनाएं बनाकर उन्हें प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा सके।

20 साल बाद पुरानी यादों में खोए राष्ट्रपति पदक विजेता, नरसिंह दास स्कूल में हुआ सम्मान

तरावड़ी, 26 मार्च (छाया शर्मा) : नरसिंह दास पब्लिक स्कूल तरावड़ी में उस समय भावुक माहौल बन गया जब राष्ट्रपति पदक विजेता एवं सैनिक स्कूल कुंजपुरा के प्राध्यापक बीएन. झा ने विद्यालय पहुंचकर पुरानी यादें ताजा कीं। उनके आगमन पर स्कूल प्रबंधन व स्टाफ ने गर्मजोशी से स्वागत किया। झा ने वर्ष 2006 की स्मृतियों को सांझा करते हुए बताया कि वे उस समय सैनिक स्कूल कुंजपुरा के प्राध्यापक जरनैल सिंह सलारिया और मूलचंद शर्मा के साथ लगभग 10 दिनों तक यहां रहे थे। उस दौरान नरसिंह दास पब्लिक स्कूल में कक्षा 10वीं की परीक्षाओं का पेपर मूल्यांकन केंद्र बनाया गया था। उन्होंने बताया कि विद्यालय के डायरेक्टर धर्मेंद्र खेड़ा, जो स्वयं सैनिक स्कूल कुंजपुरा के पूर्व छात्र हैं, उस समय हेड एग्जामिनर की जिम्मेदारी निभा रहे थे। उनके नेतृत्व में मूल्यांकन कार्य सुचारू रूप से संपन्न हुआ। अपने प्रवास के दौरान उनकी मुलाकात स्वर्गीय शिव प्रसाद गुप्ता, सुभाष गुप्ता, श्यामा गुप्ता और नरेश गुप्ता से हुई थी। झा ने विशेष रूप से बताया कि स्वर्गीय श्यामा गुप्ता की प्रेरणा से ही उन्होंने राष्ट्रपति पदक के लिए आवेदन किया, जो उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। विद्यालय पहुंचने पर नरसिंह दास पब्लिक स्कूल तरावड़ी की डायरैक्टर मधु गुप्ता ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर और स्टाफ ने बी.एन. झा को स्मृति चिन्ह एवं तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया। यह मुलाकात न केवल पुरानी यादों को जीवंत करने वाली रही, बल्कि शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी।

आर्यभट्ट कालेज में उद्यमिता एवं नवाचार पर कार्यशाला

बरनाला, 26 मार्च (बघेल सिंह ढालीवाल) आर्यभट्ट कॉलेज में 25 मार्च 2026 को उद्यमिता और नवाचार विषय पर एक प्रेरणादायक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक सोच की ओर प्रेरित करना और स्टार्टअप इकोसिस्टम में उपलब्ध अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला का संचालन श्रीमती सुखप्रीत कौर द्वारा किया गया, जिन्होंने इवेंट कोऑर्डिनेटर और मुख्य वक्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाई। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने आज के प्रतिस्पर्धी दौर में नवाचार, विचार सृजन और उद्यमी सोच के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यावसायिक अवसरों की पहचान करने, नए समाधान विकसित करने और अपने विचारों को सफल उद्यमों में बदलने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यशाला काफी इंटरएक्टिव रही, जिसमें विद्यार्थियों ने चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने नए-नए विचार साझा किए। इस सत्र ने विद्यार्थियों में नेतृत्व गुण, समस्या समाधान क्षमता और उद्यमिता के प्रति सकारात्मक सोच को मजबूत किया। यह कार्यक्रम कॉलेज के सम्मानित मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें चेयरमैन इंजीनियर राकेश गुप्ता, डायरेक्टर डॉ. अजय मित्तल, डीन अकादमिक डॉ. भवेत गर्ग और वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के प्रमुख डॉ. जशन जोत का विशेष योगदान रहा। कॉलेज प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को नवाचारी मानसिकता अपनाने और एक प्रगतिशील, आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

गांव किरमच में डीएलएसए द्वारा स्थापित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र में एक जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र, 26 मार्च (करणदीप सिंह) : जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गांव किरमच में डीएलएसए द्वारा स्थापित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल, सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीतिका भारद्वाज ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में किरमच गांव के सरपंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने सभी से बातचीत की और उन्हें इस मध्यस्थता केन्द्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी कि ज्यादा से ज्यादा मामले मध्यस्थता केन्द्र में सुलझाने का प्रयास करें। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनता को सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र के बारे में जागरूक करना तथा प्राकृतिक आपदा या किसी अन्य इमरजेंसी में किस तरह से रिस्पांस नागरिकों का करना चाहिए के बारे में विभिन्न विभागों से मौजूद प्रतिभागियों को समझाया गया। इस कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी की टीम द्वारा सीपीआर ट्रेनिंग के बारे में जानकारी दी गई। सिविल डिफेंस एंड होमगार्ड, अग्निशमन विभाग द्वारा आपदा आने पर सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी गई। जिला सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की टीम द्वारा लोक अदालत के फायदों पर हरियाणवी रागिनी प्रस्तुत की गई। न्यु उत्थान थिएटर ग्रुप के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मध्यस्थता के बारे में जानकारी दी गई। हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति भी कलाकारों द्वारा दी गई। इस कार्यक्रम में आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग, रेडक्रॉस आदि विभागों द्वारा स्टालस भी लगाई गई।

आर्यभट्ट कालेज में सीआर चुनाव सम्पन्न

बरनाला, 26 मार्च (कपिल गर्ग) चीमा जोधपुर स्थित आर्यभट्ट कॉलेज के ह्यूमैनिटीज़ और आर्ट्स विभाग द्वारा आज प्रो. वीरपाल कौर और गगनदीप कौर की अगुवाई एवं निगरानी में कक्षा प्रतिनिधि (सी.आर.) चुनाव सफलतापूर्वक करवाए गए। यह चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह योजनाबद्ध, अनुशासित और पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई, जिससे निष्पक्षता सुनिश्चित की गई। चुनाव के दौरान विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और शांतिपूर्वक अपने मत का प्रयोग किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल सकारात्मक, सहयोगी और सुव्यवस्थित रहा, जो विद्यार्थियों की एकता और जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है। इस अवसर पर ह्यूमैनिटीज़ और आर्ट्स विभाग की प्रमुख प्रो. भावुकता शर्मा भी उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व की भूमिका को गंभीरता से लेना चाहिए और कक्षा व विभाग की बेहतरी के लिए जिम्मेदारी से कार्य करना चाहिए। चुनाव परिणामों के बाद विजयी विद्यार्थियों द्वारा शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। इस दौरान कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. अजय मित्तल, डीन अकादमिक डॉ. भवेत गर्ग और चेयरमैन इंजीनियर राकेश गुप्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को नेतृत्व, टीम वर्क और जिम्मेदारी के महत्व के बारे में प्रेरित किया। कॉलेज की मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य श्री हरभजन सिंह, श्री अश्वनी कुमार, श्री इंदरपाल गोयल, श्री राजीव मंगला, श्री नरेश कुमार, श्री मोहित मंगला और श्री रोहित मंगला ने इस पहल के लिए विभाग प्रमुख और स्टाफ की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। कुल मिलाकर, यह चुनाव प्रक्रिया विद्यार्थियों में नेतृत्व गुणों के विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों को दर्शाने वाली एक सराहनीय पहल साबित हुई।

स्कूल में दुर्गा अष्टमी और राम नवमी के शुभ अवसर पर पवित्र हवन संपन्न

मां दुर्गा की दिव्य शक्ति सभी बुराइयों पर विजय का प्रतीक है : पवन गर्ग

लाडवा, 26 मार्च (राम गोपाल) : संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल लाडवा में दुर्गा अष्टमी और राम नवमी के शुभ अवसर पर पवित्र हवन संपन्न हुआ। पंडित प्रवीण शर्मा ने देवी दुर्गा शक्ति की प्रार्थना में वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया और मुख्य अतिथि, माननीय डीएसपी लाडवा निर्मल सिंह, स्कूल प्रधान पवन गर्ग, प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा और शिक्षकों ने हवन में आहुति दी। पंडित प्रवीण शर्मा ने सभी लोगों की शांति, सद्भाव और समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना की और मां दुर्गा का आशीर्वाद मांगा। डीएसपी निर्मल सिंह ने भारतीय परंपराओं की प्रशंसा की, जिनमें प्राचीन काल से ही महिलाओं को उच्च स्थान दिया गया है। यह दर्शाता है कि समाज अपनी विचारधाराओं में प्रगतिशील और व्यावहारिक रहा है। स्कूल प्रधान पवन गर्ग ने मुख्य अतिथि का हवन में स्वागत किया और सभी को इस शुभ अवसर की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दुर्गा अष्टमी नारी सशक्तिकरण का प्रतीक है और कन्या पूजन भारतीय परंपरा में इसे प्रतिबिंबित करता है। मां दुर्गा की दिव्य शक्ति सभी बुराइयों पर विजय का प्रतीक है। राम नवमी हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है, जो भगवान विष्णु के सातवें अवतार, भगवान राम के जन्म का उत्सव मनाता है और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन पड़ने वाला यह त्योहार सद्गुणों की विजय का प्रतीक है, भक्ति को प्रोत्साहित करता है और आदर्श नैतिक मूल्यों का जश्न मनाता है। प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने भी इस अवसर पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दुर्गा अष्टमी और राम नवमी का त्योहार भारतीय मूल्यों की पुष्टि करता है। यह हमें रोजमर्रा के जीवन में कर्तव्य, सत्य और ईमानदारी को बनाए रखने की याद दिलाता है। उन्होंने मुख्य अतिथि निर्मल सिंह और विद्यालय प्रबंधन को उनकी गरिमामय उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया।

64वां वार्षिक सामूहिक विवाह समारोह सम्पन्न

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने दिया नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद

अटूट प्रेम, विश्वास, सम्मान से सुख-दुख में एक दूसरे का साथ निभाए नवदंपत्ति : कृष्ण बेदी

शाहाबाद मारकंडा, 26 मार्च (रूबी) : गुरुवार को ऋषि मारकंडेश्वर मंदिर सभा द्वारा श्री राम नवमी के उपलक्ष्य में 64वां सामूहिक विवाह समारोह, श्रवण यंत्र एवं व्हीलचेयर, ट्राईसाईकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। कृष्ण बेदी मंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह एक सराहनीय पहल है। उन्होंने सभी नवदंपत्तियों को सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कृष्ण बेदी ने मंदिर सभा द्वारा किए जा रहे सेवा प्रकल्पों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सेवा प्रकल्प सही मायने में सच्ची सेवा है। बेदी ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा बेटियों के लिए शगुन योजना, गरीब परिवारों की बेटियों को शादी के लिए आर्थिक सहायता, बेटियों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। बेदी ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों की शादी में आर्थिक सहायता देकर उनके परिवारों राहत देना है। विवाह शगुन योजना के तहत अनुसूचित जाति, बीपीएल और कमजोर वर्ग के परिवारों को करीब 51 हजार से 71 हजार रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है। मंदिर सभा के प्रधान ऋषि गंभीर ने बताया कि आज 18 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे है। इसके अलावा 3 ट्राईसाईकिलें, 7 व्हीलचेयर, 16 श्रवण यंत्र वितरित किए गए है।

उन्होंने बताया कि वर्ष में दो बार सभा द्वारा श्री रामनवमी एवं ऋषि मारकंडेय प्रकोटत्सव के अवसर पर सामूहिक विवाह समारोह कार्यक्रम का आयोजन करवाया जाता है। ऋषि ने बताया कि श्री राम नवमी के अवसर पर मंदिर परिसर में भजन संध्या कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे है। सभा के उपप्रधान बलदेवराज चावला ने बताया कि प्रत्येक रविवार को मेले, भंडारे का भी आयोजन किया जाता है। मंच का संचालन सुनील भसीन ने किया। सभा के प्रधान एवं अन्य सदस्यों ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। पंडित प्रह्लाद मिश्र रामायणी, पंड़ित अशोक, पंडित अजय शुक्ला ने विधिवत्त विवाह सम्पन्न करवाएं। कार्यक्रम में सहयोग करने वालों को कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, सभा के प्रधान ऋषि गंभीर, बलदेवराज चावला सहित अन्य गणमान्यजनों ने स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सभा के उपप्रधान बलदेवराज चावला, नपा प्रधान गुलशन कवातरा, मार्किट कमेटी के चेयरमैन कर्णराज तूर, वाइस चेयरमैन त्रिलोचन सिंह हांडा, मुलखराज गुम्बर, ओमप्रकाश कालड़ा, रमेश डंग, मयंक चावला, आशा चावला, रेनू गंभीर, उपेन्द्र गंभीर, संदीप टिवाणा, सुखविंद्र गुमटी, अनूप विक्की, रवि दामली सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन मौजूद थे।

दुर्गा अष्टमी पर श्रद्धा और आस्था का उमड़ा सैलाब, मंदिरों में लगी भक्तों की लंबी कतारें

कंजक पूजन से मां भगवती होती है प्रसन्न : पीठाधीश सतीश-ऋषि राज

शाहाबाद मारकंडा, 26 मार्च (रूबी) : गुरुवार को श्रीमद् देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर में दुर्गा अष्टमी का पर्व पूरे श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में माता रानी के दर्शन करने के लिए भक्तों की लम्बी-लम्बी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिरों को विशेष रूप से फूलों और रंग-बिरंगी लाईटों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जगह-जगह भजन-कीर्तन और जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। मंदिर के पीठाधीश पंड़ित सतीश एवं पीठाधीश पंड़ित ऋषि राज ने बताया कि अष्टमी के पावन अवसर पर कन्या पूजन का भी विशेष महत्व होता है। क्योंकि मां भगवती बाल रूप में अपने भक्तों के घर दर्शन देने आती है। कंजक पूजन करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है, घरों और मंदिरों में कन्याओं को माता का रूप मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए और उन्हें भोजन करवाकर दक्षिणा देने से माता रानी प्रसन्न होती है।। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया। प्रमुख मंदिरों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। इस अवसर पर भंडारों का भी आयोजन किया गया,जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। दुर्गा अष्टमी का पर्व श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

मोबाईल मेडिकल यूनिट द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई

शाहाबाद मारकंडा, 26 मार्च (रूबी): सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाईल मेडिकल यूनिट निरंतर जनसेवा का कार्य कर रही है। इसी क्रम में यह मेडिकल यूनिट शाहाबाद हल्का के गांव अजराना कलां और अजराना खुर्द पहुंची, जहां गांववासियों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और उपचार का लाभ लिया। मोबाईल मेडिकल यूनिट की मैडिकल टीम ने दोनों गांवों में 155 लोगों की जांच कर उन्हें उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप परामर्श दिया। इसके साथ ही जरूरतमंदों को आवश्यक दवाइयां नि:शुल्क उपलब्ध करवाई गईं, जबकि 13 लोगों को रक्त और मूत्र जांच की सुविधाएं भी मौके पर ही प्रदान की गईं। सांसद कार्यालय प्रभारी एवं पूर्व आईएएस अधिकारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित 'स्वस्थ कुरुक्षेत्र अभियान' के अंतर्गत यह मेडिकल यूनिट न केवल बीमारियों के इलाज का माध्यम बन रही है, बल्कि लोगों को संतुलित आहार, स्वच्छता और नियमित व्यायाम अपनाने के लिए भी प्रेरित कर रही है।

स्व. श्रीमति प्रीत मोहिनी कौर नमित अंतिम अरदास में प्रमुख हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 26 मार्च (अमृतपाल सिंह) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका जी की पूजनीय माताजी स्वर्गीय श्रीमती प्रीत मोहिनी कौर जी, जिनका 21 मार्च को अकाल चलाना हो गया था, की आत्मिक शांति के लिए आज गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब स्थित लखी शाह वंजारा हॉल में अंतिम अरदास श्रद्धा और गंभीर वातावरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्रों से संबंधित अनेक प्रमुख हस्तियों ने नम आंखों से स्वर्गीय माताजी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने शोक संदेश में सरदार हरमीत सिंह कालका तथा समूचे कालका परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मां का साथ छूट जाना जीवन के सबसे बड़े और दुखद क्षणों में से एक होता है। उन्होंने कहा कि भले ही स्वर्गीय प्रीत मोहिनी कौर जी शारीरिक रूप से आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा दिए गए उच्च संस्कार और जीवन मूल्यों से परिवार को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि परिवार और शुभचिंतकों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।अंतिम अरदास के अवसर पर दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के अध्यक्ष सरदार हरजिंदर सिंह धामी, पूर्व सांसद एवं हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार प्रेम सिंह चंदूमाजरा सहित अनेक धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों, सदस्यों तथा बड़ी संख्या में संगतों ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके अतिरिक्त गुरदासपुर से लोकसभा सदस्य श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, राज्यसभा सदस्य श्री सतनाम सिंह, पंजाब विधानसभा के पूर्व स्पीकर एवं डिप्टी स्पीकर सरदार चरणजीत सिंह अटवाल, लोकसभा सदस्य एवं पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री राजा वड़िंग ने भी सरदार हरमीत सिंह कालका के निवास स्थान पर पहुंचकर शोक व्यक्त किया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने भी शोक संदेश के माध्यम से अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।संगतों ने स्वर्गीय प्रीत मोहिनी कौर जी के सादगीपूर्ण, धार्मिक और संस्कारमय जीवन को स्मरण करते हुए आदर्शों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

उत्तर पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में युवक की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर स्थित शास्त्री पार्क में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। युवक की पहचान जावेद के रूप में हुई है। पुलिस को सुबह 6ः00 बजे सूचना मिली थी। मौके पर पुलिस और क्राइम टीम जांच कर रही है। हत्या का मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। पार्क के गार्ड ने बताया कि पार्क में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। जैसे ही हमें पता चला हमने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पार्क के एक गार्ड ने बताया कि सुबह हम राउंड के लिए निकले थे। हम चेक करने गए थे कि जिम के पास मशीनें ठीक हैं। इसी दौरान हमारी नजर बॉडी पर पड़ी। हमने तुरंत पुलिस को मामले की सूचना दी। हमारे बाकी स्टाफ भी तुरंत ही मौके पर आ गए। मामले की सूचना के बाद एसएचओ और एसीपी भी मौके पर पहुंचे हैं। उधर पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है। एक दिन पहले ही उत्तर-पूर्व दिल्ली के भजनपुरा इलाके में मंगलवार तड़के 18 वर्षीय युवक की कथित तौर पर चाकू से हमलाकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार, घटना कृष्ण मंदिर के पास की है।

दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी में टेंट गोदाम में आग

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी में बुधवार सुबह एक टेंट गोदाम में भीषण आग लग गई। सूचना पर दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बांस गांव क्षेत्र में स्थित गोदाम में लगी थी, जिससे टेंट और अन्य सामान जलकर राख हो गए। दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में बुधवार सुबह एक टेंट गोदाम में आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग की ऊंची लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 6ः30 बजे मैदानगढ़ी थाना को एक कॉल (जीडी नंबर 23ए) के जरिए टेंट हाउस में आग लगने की सूचना मिली थी।

दिल्ली सहित 10 राज्यों में फिर बिगड़ेगा मौसम

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) दिल्ली समेत उत्तर भारत में फिर मौसम बदलने वाला है। अगले 24 घंटों में हल्की बारिश की संभावना। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। बुधवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में यानी गुरुवार को एक बार फिर हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा 27 मार्च के आसपास भी बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 26 से 30 मार्च के बीच इन राज्यों के अलग-अलग जिलों में गरज के साथ बारिश की संभावना है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है। मैदानी इलाकों की बात करें तो पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ को हल्की बारिश की संभावना है। वहीं उत्तर प्रदेश में 27 मार्च को मौसम बदल सकता है, जहां कई जगहों पर हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 28 से 30 मार्च के बीच एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे उत्तर-पश्चिम भारत के बड़े हिस्से में बारिश का एक और दौर देखने को मिल सकता है। इस दौरान दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कई इलाकों में बारिश और आंधी चल सकती है। पूर्वोत्तर भारत में भी मौसम का असर साफ दिखाई देगा। 26 मार्च को अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कई दिनों तक बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी चेतावनी दी गई है। वहीं नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है। पूर्वी भारत के राज्यों जैसे बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भी अलग-अलग दिनों में बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिलेगा।

दिल्ली के महिपालपुर में एलपीजी की कालाबाजारी का भंडाफोड़

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) दिल्ली के महिपालपुर में एलपीजी सिलेंडर की अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी का बड़ा रैकेट पकड़ा गया है। साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट एएटीएस टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ईरान - अमेरिका, इजराइल के बीच चल रहे युद्ध के चलते बाजार में जरूरी वस्तुओं की सप्लाई पर असर पड़ रहा है। जिसका फायदा उठाते हुए दिल्ली के महिपालपुर इलाके में एलपीजी सिलेंडर की अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी का बड़ा खेल, खेला जा रहा था। जिसका साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की एएटीएस टीम ने पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ उनके कब्जे से भारी मात्रा में सिलेंडर एवं उपकरण बरामद करने में कामयाबी पाई है। डीसीपी अमित गोयल के मुताबिक, साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की एएटीएस टीम को इलाके में एलपीजी सिलेंडर की अवैध गतिविधियों की लगातार सूचना मिल रही थी। 21 मार्च को महिपालपुर स्थित एक ठिकाने पर जमाखोरी की सटीक जानकारी मिलने के बाद टीम ने तुरंत छापा मारा। इस ऑपरेशन का नेतृत्व इंस्पेक्टर राम कुमार ने किया, जबकि पूरी कार्रवाई एसीपी ऑप्स संगमित्रा की निगरानी में की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों कृष्णा (33), दिनेश साहू (46) और मिथिलेश (39) को गिरफ्तार किया। ये सभी लंबे समय से दिल्ली में रह रहे थे और पिछले तीन वर्षों से अवैध रसद सप्लाई के धंधे में सक्रिय थे। पूछताछ में आरोपियों ने कई अहम खुलासे किए हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 74 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए, जिनमें 70 घरेलू और 4 कमर्शियल सिलेंडर शामिल हैं। इसके अलावा एक टाटा ऐस गोल्ड वाहन, इलेक्ट्रॉनिक और हैंगिंग वेट मशीनें तथा गैस ट्रांसफर करने के लिए इस्तेमाल होने वाले पाइप भी बरामद किए गए। जांच के दौरान आरोपियों के पास एलपीजी सिलेंडर के भंडारण या बिक्री से जुड़ा कोई वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं मिली। यह पूरा नेटवर्क गैरकानूनी तरीके से संचालित किया जा रहा था, जिससे आम लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही थी।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी भरे हुए सिलेंडरों से खतरनाक तरीके से गैस निकालकर खाली सिलेंडरों में ट्रांसफर करते थे। इसके लिए वे मेटल पाइप का इस्तेमाल करते थे, जिससे एक ही गैस को कई हिस्सों में बेचकर अधिक मुनाफा कमाया जाता था।

दिल्ली में 10 से ज्यादा हो जाएंगी लोकसभा की सीटें

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) देश में परिसीमन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 हो जाएगी। इसमें से महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित होंगी। लोकसभा के साथ ही विधानसभा क्षेत्रों की संख्या में भी इजाफा होने जा रहा है। देश में परिसीमन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 हो जाएगी। इसमें से महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित होंगी। लोकसभा के साथ ही विधानसभा क्षेत्रों की संख्या में भी इजाफा होने जा रहा है। बदलाव के बाद उत्तर प्रदेश में जहां 120 सांसद हो सकते हैं तो देश की राजधानी दिल्ली में 10 से ज्यादा सांसद होंगे। विधायकों की संख्या भी केंद्र शासित प्रदेश में 100 से अधिक हो सकती है। दिल्ली में अभी लोकसभा की 7 सीटें हैं। वहीं, विधायकों की संख्या 70 है। परिसीमन के बाद 50 फीसदी सीटें बढ़ जाएंगी। इस हिसाब से जहां सांसदों की कुल संख्या 11 हो जाएगी तो विधायकों की संख्या 105 हो सकती है। महिला आरक्षण लागू होने के बाद 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। लोकसभा में जहां कम से कम 4 महिलाएं दिल्ली से संसद पहुंचेंगी तो विधानसभा में करीब 35 सीटें आरक्षित रहेंगी। प्रस्तावित सरकार लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए संसद के मौजूदा बजट सत्र में दो विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान संविधान में संशोधन करके लाया गया था, लेकिन यह परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद लागू होगा।

ईरान हार गया-ट्रम्प का दावा...

पृष्ठ एक का शेष ..वजह है कि अमेरिका ने मध्यपूर्व में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती भी बढ़ा दी है। शांति वार्ता अभी शुरुआती चरण में है और मध्यस्थ देशों के जरिए बातचीत जारी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो पाया है। इस बीच, अमेरिका के भीतर भी रणनीति को लेकर मतभेद सामने आ रहे हैं—कुछ नेता बातचीत के पक्ष में हैं, जबकि कुछ कड़ी सैन्य कार्रवाई और यहां तक कि ईरान में शासन परिवर्तन की बात कर रहे हैं। इस पूरे संघर्ष का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी साफ दिख रहा है। जारी तनाव के कारण तेल की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने का खतरा बना हुआ है।रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप इस संभावना पर भी विचार कर रहे हैं कि किसी समझौते के तहत अमेरिका को ईरान के तेल तक पहुंच मिल सकती है, हालांकि इस पर अभी कोई ठोस योजना नहीं बनी है। जमीनी स्तर पर अमेरिकी सैनिक भेजने का विकल्प भी खुला रखा गया है, लेकिन ट्रंप इससे बचना चाहते हैं क्योंकि इससे युद्ध लंबा खिंच सकता है। अब तक करीब 300 अमेरिकी सैनिक घायल और 13 की मौत हो चुकी है, जो उनकी चिंता का बड़ा कारण है।

मनोहर लाल.....पायदान पर बैठे ज्यादा से ज्यादा गरीब पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिलें। पिछली बैठक के निर्देशों की अनुपालना एडीसी कार्यालय द्वारा 3868 एकल सदस्य परिवार जो एएवाई राशन कार्ड धारक है का सर्वे ग्राम सचिव, पटवारी, सरपंच द्वारा कराया गया। इस पर उन्होंने परिवार पहचान पत्र में नाम जोड़ने व हटाने के अधिकार से संबंधित शक्ति जिला स्तर पर एडीसी कार्यालय को दिलवाने के लिए मुख्यालय पत्र लिखने के लिए उपायुक्त को निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री सैनी ...

पृष्ठ एक का शेष ...यहां कदम रखते ही मन को असीम शांति मिलती है। मुख्यमंत्री ने बाबा ईशर सिंह जी के प्रकाश उत्सव की भी बधाई दी और सबको मिल-जुलकर नफरत को मिटाने और प्रेम, सेवा व सिमरन के मार्ग पर चलने की गुरु चरणों में अरदास की। उन्होंने बाबा नारायण सिंह जी के चरणों में भी अपनी श्रद्धा अर्पित की और कहा कि उनका जीवन हमें सिखाता है कि %सेवा% और %आदेश% का पालन क्या होता है। बाबा ईशर सिंह जी के एक वचन पर उन्होंने सात वर्षों तक 24 किलोमीटर दूर से जल की सेवा की। बिना थके, बिना रुके, केवल गुरु की प्रसन्नता के लिए।उन्होंने साध संगत को बताया कि इस विशाल स्थान का कोई लिखित नक्शा नहीं था। यह तो बाबा नारायण सिंह जी के मुख से निकले दिव्य आदेश और कारीगरों की श्रद्धा थी, जिससे यह भव्य गुरुघर तैयार हुआ। यह सिद्ध करता है कि जब नीयत साफ हो और गुरु पर पूर्ण विश्वास हो, तो कुदरत खुद-ब-खुद रास्ता बनाती है। उन्होंने भव्य श्री नानकसर साहिब बनवाकर अपने गुरु के प्रति जो समर्पण दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।श्री सैनी ने इस पावन स्थान पर की जा रही भोजन व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां कोई संस्थागत लंगर नहीं बनता, बल्कि संगत स्वयं अपने घरों से लंगर बनाकर लाती है। यहां अमीर-गरीब का भेद मिट जाता है और केवल संगत शेष रह जाती है। उन्होंने बाबा घाला सिंह जी की निष्ठा और नम्रता के साथ इस स्थान की सेवा करने के पुनीत कार्य की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में एलपीजी की कालाबाजारी पर एक्शन 183 सिलिंडर बरामद

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) दक्षिण दिल्ली के संगम विहार में एक अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इंडेन गैस के 183 सिलिंडर, जिनमें 154 भरे हुए थे, एक गोदाम से बरामद किए। दक्षिण दिल्ली के संगम विहार इलाके में एक अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले का पर्दाफाश करते हुए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इंडेन गैस के 183 सिलिंडर गैस एजेंट के गोदाम से बरामद किए। इनमें से 154 सिलिंडर भरे हुए थे और 29 खाली थे। पुलिस के अनुसार, चार आरोपी पकड़े गए हैं, जिनकी पहचान शेर सिंह, सूरज परिहार, रघु राज सिंह और जितेंद्र शर्मा के रूप में हुई है। यह सभी एक अधिकृत गैस एजेंसी के रजिस्टर्ड डिलीवरी बॉय हैं। यह सभी एलपीजी सिलिंडर को बांटने की आड़ में अवैध स्टोरेज और रीफिलिंग में संलिप्त पाए गए हैं। जांच में पता चला कि एजेंसी से सिलेंडर लेने के बाद, आरोपी उन्हें ग्राहकों तक नहीं पहुंचाते थे, बल्कि किराए के गोदामों में जमा करते थे। पुलिस ने मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आगे की जांच जारी है।

गैस सिलिंडर के संकट पर दिल्ली विधानसभा के बाहर आप का प्रदर्शन

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) दिल्ली विधानसभा सत्र के दौरान, आम आदमी पार्टी के विधायकों ने रसोई गैस सिलिंडर की किल्लत के विरोध में प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर धरना दिया। विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष और आम आदमी पार्टी के नेताओं का सरकार को घेरना जारी है। लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाते हुए दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के बाद अब रसोई गैस संकट के विरोध में बुधवार को प्रदर्शन किया गया। दिल्ली में रसोई गैस सिलिंडर के संकट को लेकर दिल्ली विधानसभा के बाहर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में पार्टी के विधायक पोस्टर लेकर विधानसभा परिसर के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान आप विधायकों ने आरोप लगाया कि दिल्ली में रसोई गैस सिलिंडर का भारी संकट है, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं और लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। यह प्रदर्शन उस समय किया गया जब दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। आप विधायकों ने कहा कि सरकार को तुरंत इस समस्या पर ध्यान देना चाहिए और लोगों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

दिल्ली में प्रदूषण कम करने और पर्यटन बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली 26 मार्च (निस)कपिल मिश्रा ने दिल्ली बजट पर प्रेस वार्ता की, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण, पर्यटन और महिला मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया। पर्यटन बजट को तीन गुना बढ़ाया गया है और 13 प्रमुख एंट्री पॉइंट्स का सौंदर्यीकरण होगा। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को प्रेस वार्ता में कहा कि दिल्ली का बजट कई क्षेत्रों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि सीएम एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता ने शानदार बजट पेश किया है, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण, पर्यटन और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान है। कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण लंबे समय से एक बड़ी समस्या रहा है। बजट में इसे कम करने के लिए कई योजनाओं पर काम करने का प्रावधान किया गया है, ताकि आने वाले समय में राजधानी की हवा को साफ बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बजट को तीन गुना तक बढ़ाया गया है। उनके अनुसार पिछली सरकारों ने दिल्ली के पर्यटन क्षेत्र को नजरअंदाज किया, लेकिन अब इसे प्राथमिकता दी जा रही है। मंत्री ने कहा कि दिल्ली में आने वाले 13 प्रमुख एंट्री पॉइंट्स के सौंदर्यीकरण (ब्यूटीफिकेशन) का काम पर्यटन विभाग को दिया गया है, जिससे राजधानी में प्रवेश करने वाले लोगों को बेहतर अनुभव मिल सके। कपिल मिश्रा ने कहा कि बजट में महिलाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए भी कई योजनाएं शामिल की गई हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली में आज से सात दिन का फिल्म फेस्टिवल शुरू हो रहा है, जो 31 मार्च तक चलेगा। दिल्ली के युवाओं के लिए आर्ट, क्रिएटिविटी और कल्चर से जुड़ी वर्कशॉप और मास्टर क्लास आयोजित की जाएंगी।

पश्चिम एशिया संकट पर भारत अलर्ट केंद्र की बड़ी तैयारी

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए 7 एंपावर्ड ग्रुप का गठन किया है। 7 एंपावर्ड ग्रुप बनाने के पीछे मकसद ये है कि केंद्र सरकार ने जिस तरह से कोविड-19 के दौरान जो मॉडल अपनाया था उसी तरह इन समूहों का गठन किया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार ने अहम कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए 7 एंपावर्ड ग्रुप का गठन किया है। क्योंकि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और तनाव का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार पर पड़ रहा है इसलिए भारत पर भी इसके प्रभाव की आशंका को देखते हुए सरकार ने बहु-स्तरीय रणनीति तैयार की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा कि यह संकट लंबे समय तक असर डाल सकता है और इसके चलते ईंधन, गैस, उर्वरक और सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ा है। 7 एंपावर्ड ग्रुप बनाने के पीछे मकसद ये है कि केंद्र सरकार ने जिस तरह से कोविड-19 के दौरान जो मॉडल अपनाया था उसी तरह इन समूहों का गठन किया है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस संकट का सबसे बुरा असर गरीबों और प्रवासी श्रमिकों पर पड़ता है। उन्होंने राज्य सरकारों से पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ समय पर पहुंचाने और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए प्रो-एक्टिव कदम उठाने का आग्रह किया। इसके साथ ही, उन्होंने सख्त चेतावनी दी कि संकट के समय कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों पर त्वरित कार्रवाई की जाए ताकि जरूरी चीजों की सप्लाई निर्बाध रूप से चलती रहे। पश्चिम एशिया संकट को लेकर भारत सतर्क मोड में है और 7 एंपावर्ड ग्रुप बनाकर सरकार ने यह संकेत दिया है कि वह हर क्षेत्र में समन्वित और तेज कार्रवाई के लिए तैयार है।

दिल्ली के करोल बाग में भीषण सड़क हादसा बेकाबू होकर पलट गई डबल डेकर बस 2 की मौत

नई दिल्ली 26 मार्च (निस) दिल्ली के करोल बाग में झंडेवालां मंदिर के पास मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार डबल डेकर बस मेट्रो लाइन के नीचे पलट गई। हादसे में 2 यात्रियों की मौत हो गई और कई घायल हैं। राजस्थान से आई इस बस में करीब 25 लोग सवार थे। पुलिस और दमकल विभाग ने क्रेन की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। राजधानी दिल्ली के करोल बाग इलाके में मंगलवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। झंडेवालां हनुमान मंदिर के पास यात्रियों से भरी एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण हादसे में अब तक 2 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दमकल विभाग के अनुसार, उन्हें रात करीब 1 बजकर 8 मिनट पर बस पलटने की सूचना मिली। राजस्थान से आई यह बस जब हनुमान मंदिर चौक के पास पहुंची, तो मेट्रो लाइन के नीचे अचानक संतुलन खो बैठी और पलट गई। हादसे के वक्त बस में लगभग 25 यात्री सवार थे। बस के पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। शुरुआती जांच में हादसे की मुख्य वजह बस की तेज रफ्तार बताई जा रही है।

चश्मदीदों के मुताबिक, बस काफी स्पीड में थी और मोड़ पर चालक नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे बस बेकाबू होकर पलट गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। भारी-भरकम क्रेन की मदद से बस को सीधा किया गया और उसके नीचे दबे यात्रियों को बाहर निकाला गया।